

शाह ने किया यमुना के लिए 8,941 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन

● केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यमुना पुनर्जीवन परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यमुना नदी के पुनरुद्धार के लिए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की 43 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास श्याम विहार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 8,941 करोड़ रुपये है। इनमें 10 परियोजनाओं का लोकार्पण (2,827.11 करोड़ रुपये) और 33 परियोजनाओं का शिलान्यास (6,114.11 करोड़ रुपये) शामिल है। अमित शाह ने कहा कि यमुना को निर्मल बनाकर 2029 में वोट लेने आएंगे। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) ने तीस सालों में यमुना में गटर का पानी और गोबर छोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज यमुना को शुद्ध करने के उद्देश्य से लगभग 9,000 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया



गया। ये परियोजनाएं यमुना की सफाई के लिए रीढ़ की हड्डी का काम करेंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकार बनने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले ही महीने में एक बड़ी बैठक बुलाई थी। उन्होंने दिल्ली सरकार और गृह मंत्रालय के सामने यमुना को शुद्ध करने का अपना विजन रखा। इतने कम समय में हमने इस लक्ष्य की दिशा में 40 फीसद से अधिक का सफर तय कर लिया है। इन परियोजनाओं में अपशिष्ट जल (वेस्ट वाटर) के उपचार और पेयजल से जुड़ी

ओखला में नया 124 एमजीडी एसटीपी (1,161 करोड़ रुपये), 8 एसटीपी का उन्नयन (1,041 करोड़ रुपये), बाहरी दिल्ली में 29 नए डीएसटीपी और सीवेज पंपिंग स्टेशन (3,113.67 करोड़ रुपये), 1,034 किमी सीवर नेटवर्क (1,691 करोड़ रुपये), चंद्रावल में 477 एमएलडी जल शोधन संयंत्र (298.3 करोड़ रुपये) और 4.5 किमी लंबा मुंडका में 40 फीसद से अधिक का सफर तय कर लिया है। इन परियोजनाओं में अपशिष्ट जल (वेस्ट वाटर) के उपचार और पेयजल से जुड़ी

चोरी का बहाना बनाकर असल में घुसपैठियों के वोटों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में 41 साल और दिल्ली में 18 साल चुनाव नहीं जीती है। तीस साल तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार रहेगी। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि हर छह महीने में मुझे विदेश नहीं जाना पड़ता है। कांग्रेस की सरकार कभी नहीं बनेगी। यमुना की सफाई के लिए आप ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि धरना प्रदर्शन से कुछ नहीं होता है, जनता का दुःख-दर्द दूर करने और काम करने से सत्ता मिलती है। अमित शाह ने कहा कि आआपा सरकार के दौर में पंजाब में नशीले पदार्थों का कारोबार बढ़ा है। जनता ने राजग की सरकार लाने का फैसला कर लिया है। केजरीवाल, बहाने काम नहीं आएंगे, नतीजे चाहिए। दिल्ली हारने के बाद आपने अपना ध्यान पंजाब की ओर लगा दिया है, जिससे वहां मुख्यमंत्री के काम में बाधा आ रही है। उन्होंने ने कहा चुनाव में पंजाब में आआपा का सूपड़ा साफ हो जाएगा। हम 2029 तक पंजाब से नशीले पदार्थों के कारोबार को खत्म कर देंगे।

भारत-पोलैंड के बीच रक्षा, अंतरिक्ष व परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और पोलैंड ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग प्रगाढ़ करने पर सहमति जताई है। उन्होंने इन क्षेत्रों में सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए पोलैंड की कंपनियों को भारत के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के बीच आज दिल्ली के हैदराबाद हाउस में वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों



नेताओं ने साझा प्रेस वक्तव्य दिया। मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते ने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग के नए अवसरों को व्यापक बनाया है। पोलैंड के प्रधानमंत्री का भारत

में स्वागत करते हुए मोदी ने कहा कि वर्ष 2024 में उनकी पोलैंड यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था। इसी मजबूत आधार पर पिछले दो वर्षों में द्विपक्षीय साझेदारी ने नई गति हासिल की है। भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत ने भी दोनों देशों के बीच सहयोग की नई संभावनाएं पैदा की हैं। मोदी ने कहा कि भारत और पोलैंड के संबंध केवल कूटनीतिक संपर्कों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मानवता और संवेदना की साझा विरासत पर आधारित हैं।

राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष ने एशियाई पैरा खेल में भारतीय विजेताओं को दी बधाई

संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी समेत कई नेताओं ने गुरुवार को एशियाई पैरा खेल-2026 में महिलाओं की व्यक्तिगत तीरंदाजी स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली स्वाति चौधरी, पुरुषों के शॉट पुट एफ53 फाइनल में 8.16 मीटर के श्रे के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले आयुष वर्मा, महिलाओं के डिस्कस श्रे एफ54 फाइनल में 15.66 मीटर की बेहतरीन श्रे के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली सुवर्णा राज, तीरंदाजी की मिश्रित



टीम कंपाउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली शीतल देवी तथा तोमन कुमार को बधाई दी। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर लिखा, स्वाति चौधरी इस स्पर्धा में भारत के लिए पहला पदक जीतकर आपने इतिहास रचा है और इस खेल के

लिए एक नई राह खोली है। आपकी यह उपलब्धि तीरंदाजी के अन्य खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी कि वे ऊंचे लक्ष्य रखें और पूरे संकल्प के साथ अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ें। ओम बिरला ने कहा कि भारत के लिए स्वर्ण गौरव! एशियन पैरा खेल में पुरुषों के शॉट पुट एफ53 फाइनल में 8.16 मीटर के शानदार श्रे के साथ आयुष वर्मा ने स्वर्ण पदक जीतने जीता। यह देश के लिए गर्व का क्षण है। नितिन गडकरी ने कहा कि सुवर्णा राज के इस शानदार प्रदर्शन ने उनके सफर का एक यादगार अंत किया है, जिससे देश का मान बढ़ा है और कई

उभरते हुए खिलाड़ियों को प्रेरणा मिली है। उल्लेखनीय है कि एशियाई पैरा खेल में भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। संजना कुमारी, सुहास यतिराज और अभिजीत सुखीजा ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते जबकि नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल-4 के फाइनल में जगह बना ली है। संजना और नवीन के लिए यह एशियाई पैरा खेलों का पदार्पण है। भारत की शीतल देवी और तोमन कुमार ने एशियाई पैरा खेलों में तीरंदाजी की मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया।

प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष और रक्षा मंत्री ने गृह मंत्री अमित शाह को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने गुरुवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, गृह मंत्री अमित शाह की प्रशासनिक समझ ने भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया है। माओवाद के खतरे को खत्म करने और नशा मुक्त समाज के हमारे सपने को आगे बढ़ाने में मिली सफलताएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। मैं प्रार्थना करता हूँ कि उन्हें लोगों की सेवा में एक लंबा और स्वस्थ जीवन मिले। ओम बिरला ने कहा कि भारत में नक्सलवाद को खत्म कर राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने, देश में सहकारिता को नई दिशा देने तथा राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए अमित शाह के प्रयास प्रेरक हैं। राष्ट्रहित के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता करोड़ों भारतीयों को प्रोत्साहित करती है। आपका नशा मुक्त भारत का संकल्प परिवार और राष्ट्रहित की वृहद सोच है। कामना है कि शाह का अनुभव, ऊर्जा और राष्ट्रसेवा का संकल्प देश की प्रगति, समृद्धि और जनकल्याण के नए मार्ग प्रशस्त करता रहे। ईश्वर आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और असीम ऊर्जा प्रदान करें। राजनाथ सिंह ने कहा कि



भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने और सहकारिता क्षेत्र को नई गति देने में वह पूरे मनोयोग और कर्मठता के साथ काम कर रहे हैं। उनके उत्तम स्वास्थ्य की और दीर्घायु होने के साथ-साथ राष्ट्रसेवा में उनकी निरंतर सक्रियता की ईश्वर से कामना करते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में अमित शाह द्वारा 'नक्सल मुक्त भारत' का संकल्प साकार होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा सुदृढ़ हुई है। वर्ष 2029 तक 'नशा मुक्त भारत अभियान' का लक्ष्य देश की युवा पीढ़ी को नशे से बचाने की आपकी दूरदर्शिता को दर्शाता है। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि जन-सहभागिता से यह संकल्प भी अवश्य सिद्ध होगा। आपका राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण, परिश्रम और जनकल्याण का भाव हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की मंगलकामना करते हैं।

दो रुपये स्वच्छता अधिभार के बदले यात्रियों को मिलें बेहतर और स्वच्छ सुविधाएं

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल (एसटी) के बस अड्डों पर शौचालयों की सफाई में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित विभाग नियंत्रकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। गुरुवार को परिवहन मंत्री एवं एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यकर सुविधाएं उपलब्ध कराना महामंडल की मूल जिम्मेदारी है और स्वच्छता के मामले में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसटी महामंडल मुख्यालय में आयोजित स्वच्छता समीक्षा बैठक में सरनाईक ने अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में महामंडल के विभाग प्रमुख, प्रादेशिक व्यवस्थापक और



विभाग नियंत्रक उपस्थित थे।

दो रुपये स्वच्छता अधिभार के बदले गुणवत्तापूर्ण सुविधा दें

सरनाईक ने कहा कि एसटी महामंडल यात्रियों से दो रुपये स्वच्छता अधिभार वसूलता है। इसके बदले यात्रियों को कम से कम साफ-सुथरी और स्वास्थ्यकर सुविधाएं मिलना आवश्यक है। बस अड्डों के शौचालय स्वच्छ रखना और यात्रियों के स्वास्थ्य की रक्षा करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शौचालयों की सफाई में किसी प्रकार

महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका वापस

■ बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा— ठोस व्यक्तिगत शिकायत और तथ्य स्पष्ट करें, नई याचिका दाखिल करने की छूट

संवाददाता

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को 'महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2026' की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। अदालत ने कहा कि याचिका में यह स्पष्ट करने वाले ठोस तथ्य नहीं हैं कि कानून से याचिकाकर्ता के व्यक्तिगत रूप से किस तरह प्रभावित हुआ है। मुख्य न्यायाधीश एम.सी. त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि याचिका में विशिष्ट तथ्यात्मक शिकायत का अभाव है और यह एक सामान्य कानूनी चुनौती जैसी प्रतीत होती है। पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह स्पष्ट करें कि कानून के कारण उसके धार्मिक अधिकारों के इस्तेमाल में वास्तविक रूप से किस तरह बाधा आई। अदालत ने बेहतर तथ्यात्मक आधार के साथ नई याचिका दायर करने की बात कही, ताकि मामले की वास्तविक परिस्थितियों का आकलन किया जा सके। यह याचिका ठाणे जिले के भिवंडी निवासी एक 70 वर्षीय इस्लामिक शिक्षक ने दायर की थी। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता यूसुफ मुहल्ला ने तर्क दिया कि कानून



संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत प्राप्त धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिकाकर्ता ने अधिनियम में 'प्रलोभन' की परिभाषा के साथ धारा 6 और 7 में निर्धारित प्रक्रिया को भी चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि धर्म परिवर्तन की इच्छा रखने वाले व्यक्ति को 60 दिन पहले अधिकारियों को सूचना देने और इस सूचना को सार्वजनिक किए जाने की प्रक्रिया उसकी निजता और व्यक्तिगत धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करती है। सुनवाई के दौरान पीठ ने बार-बार यह सवाल उठाया कि कानून ने याचिकाकर्ता को व्यक्तिगत रूप से किस प्रकार प्रभावित किया है और क्या इससे संबंधित कोई वास्तविक घटना या परिस्थिति याचिका में दर्ज है। 'महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2026' का उद्देश्य बल, धोखाधड़ी, दबाव, प्रलोभन, गलत बयानी, अनुचित प्रभाव अथवा

विवाह के माध्यम से कराए जाने वाले धर्मांतरण को रोकना बताया गया है। कानून के कुछ प्रावधानों को लेकर व्यक्तिगत स्वतंत्रता, निजता और धार्मिक विकल्पों पर प्रभाव पड़ने की आशंकाएं भी जताई गई हैं। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि राज्य की चिंता बल या दबाव से कराए जाने वाले धर्मांतरण को लेकर है और इसे स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन से अलग देखा जाना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता मुहल्ला ने याचिका में अतिरिक्त तथ्य शामिल करने के लिए संशोधन की अनुमति मांगी, लेकिन पीठ ने यह याचिकाकर्ता को व्यक्तिगत रूप से किस प्रकार प्रभावित किया है और क्या इससे संबंधित कोई वास्तविक घटना या परिस्थिति याचिका में दर्ज है। 'महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2026' का उद्देश्य बल, धोखाधड़ी, दबाव, प्रलोभन, गलत बयानी, अनुचित प्रभाव अथवा

मनोज जरांगे की 500 करोड़ वाली ऑडियो क्लिप की SIT जांच की मांग



● भाजपा प्रवक्ता नवनाथ बन बोले— क्लिप असली, फर्जी या AI जनरेटेड, जांच के बाद ही सामने आएगी सच्चाई

संवाददाता

मुंबई। मराठा नेता मनोज जरांगे पाटील द्वारा 500 करोड़ रुपये के मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भाजपा को लेकर लगाए गए आरोपों तथा इसके समर्थन में सुनाई गई ऑडियो क्लिप पर

महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। इस बीच भाजपा ने क्लिप की सत्यता की जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) गठित करने की मांग की है। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नवनाथ बन ने गुरुवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में कहा कि AI के दौर में फर्जी ऑडियो और वीडियो बनाना संभव है, इसलिए जरांगे द्वारा सुनाई गई ऑडियो क्लिप की गहराई से जांच जरूरी है।

शेष पेज 2 पर...

एसटी बस अड्डों के शौचालयों की सफाई में लापरवाही पर विभाग नियंत्रक होंगे जिम्मेदार: मंत्री प्रताप सरनाईक

दो रुपये स्वच्छता अधिभार के बदले यात्रियों को मिलें बेहतर और स्वच्छ सुविधाएं

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल (एसटी) के बस अड्डों पर शौचालयों की सफाई में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित विभाग नियंत्रकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। गुरुवार को परिवहन मंत्री एवं एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यकर सुविधाएं उपलब्ध कराना महामंडल की मूल जिम्मेदारी है और स्वच्छता के मामले में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसटी महामंडल मुख्यालय में आयोजित स्वच्छता समीक्षा बैठक में सरनाईक ने अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में महामंडल के विभाग प्रमुख, प्रादेशिक व्यवस्थापक और



विभाग नियंत्रक उपस्थित थे।

दो रुपये स्वच्छता अधिभार के बदले गुणवत्तापूर्ण सुविधा दें

सरनाईक ने कहा कि एसटी महामंडल यात्रियों से दो रुपये स्वच्छता अधिभार वसूलता है। इसके बदले यात्रियों को कम से कम साफ-सुथरी और स्वास्थ्यकर सुविधाएं मिलना आवश्यक है। बस अड्डों के शौचालय स्वच्छ रखना और यात्रियों के स्वास्थ्य की रक्षा करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शौचालयों की सफाई में किसी प्रकार

की हिलाई नहीं होनी चाहिए। यात्रियों की उचित अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को अधिक सतर्कता और जिम्मेदारी से काम करना होगा।

शौचालयों की नियमित जांच के निर्देश

परिवहन मंत्री ने निर्देश दिया कि बस अड्डों के शौचालयों की नियमित जांच की जाए और सफाई व्यवस्था की लगातार निगरानी की जाए। संबंधित ठेकेदार संस्थाओं से अनुबंध की शर्तों के अनुसार सफाई का काम कराया

जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सफाई की जिम्मेदारी केवल ठेकेदारों पर छोड़कर अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। अपने कार्यक्षेत्र के बस अड्डों पर नियमित सफाई हो रही है या नहीं, इसकी पुष्टि संबंधित अधिकारियों को स्वयं करनी होगी। यात्रियों को स्वच्छ सुविधाएं उपलब्ध कराने में चूक पाए जाने पर संबंधित विभाग नियंत्रकों पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। सरनाईक ने कहा कि एसटी आम जनता के दैनिक आवागमन का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा के साथ-साथ साफ-सुथरे बस अड्डे और स्वास्थ्यकर सुविधाएं उपलब्ध कराना महामंडल की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अधिक संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ काम करने का आह्वान किया।

संपादकीय



फॉर्म छह का ‘अवैध’ इस्तेमाल

अभी तो चुनाव आयोग को सर्वोच्च अदालत के सवालों के जवाब देने हैं, लेकिन उसके भीतर ही नए, गंभीर विरोधाभास उभर आए हैं। ताजातरीन मामला महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) एस. चोकलिंगम का है। उन्होंने चुनाव आयोग को सुझाव भेजा है कि फॉर्म 6 से ‘नए मतदाता के लिए’ शब्द हटा दिए जाएं, क्योंकि उसका गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। मतदाताओं के दोबारा पंजीकरण के लिए भी फॉर्म 6 भरवाया जा रहा है, जबकि घोषित, कानूनी रूप से फॉर्म 6 उन्हीं से भरवाया जाना चाहिए, जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और पहली बार मतदाता बन रहे हों। जिन पुराने मतदाताओं के नाम ‘विशेष गहन पुनरीक्षण’ (एसआईआर) की प्रक्रिया के दौरान छूट गए अथवा काट दिए गए, उनसे भी फॉर्म 6 भरवा कर ‘गलत घोषणा’ कराई जा रही है कि वे पहली बार मतदाता बन रहे हैं। वे इससे पहले कभी भी मतदाता नहीं रहे। यही गंभीर, कानूनी विरोधाभास है। जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 के मुताबिक, फॉर्म 6 में ‘गलत घोषणा’ करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मतदाता को 1 साल की जेल हो सकती है। ज़ुर्माने का भी प्रावधान है। जेल और ज़ुर्माने की सजाएं एक साथ भी दी जा सकती हैं। विरोधाभास के साथ सवाल भी है कि चुनाव आयोग फॉर्म 6 की व्यवस्था बदल नहीं रहा और एक राज्य के सीईओ सरीखे शीर्ष अधिकारी ने मौजूदा शब्दावली और व्यवस्था को ‘गलत, अवैध’ करार देते हुए उसे बदलने का प्रस्ताव भेजा है। सवाल है कि क्या चुनाव आयोग फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव कर सकता है? क्या पुराने मतदाताओं से भी, दोबारा पंजीकरण के लिए, फॉर्म 6 जबरन भरवाया जा रहा है? फॉर्म 8 के जरिए ये पंजीकरण क्यों नहीं किए जा रहे? दरअसल चुनाव आयोग फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव नहीं कर सकता। उसके लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय 1960 के कानून के तहत संशोधन या बदलाव करके उसकी अधिसूचना जारी कर सकता है। यदि मामला ज्यादा पेचीदा और संवैधानिक दर्जे का है, तो संसद के पटल पर प्रस्ताव पेश और पारित कराया जा सकता है। अब फॉर्म 6 की शब्दावली बदलने और संलग्न हलफनामे को हटाने का नया बवाल उभर आया है, तो चुनाव आयोग को मंथन करना पड़ेगा। चूंकि सर्वोच्च अदालत ने भी आयोग से हलफनामे के जरिए स्पष्टीकरण मांग रखा है कि फॉर्म 6 के साथ घोषणा-पत्र नत्थी करने का आदेश कब और किसने दिया? क्या यह फैसला तीनों आयुक्तों ने सर्वसम्मति से लिया अथवा सीईसी का ही फैसला था? इनके जवाब प्रमाण सहित देने पड़ेंगे, लिहाजा पुरानी शब्दावली हटाने का जोखिम भी आयोग नहीं ले सकता। अंततः गंभीर और संवैधानिक सवाल है कि ‘विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण’ (एसएसआर) के जरिए देश के 17 राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों में जिन मतदाताओं के नाम नए सिरे से जोड़े जा रहे हैं, क्या उन्हें फॉर्म 6 के जरिए ही पंजीकृत किया जा रहा है? यह प्रक्रिया पूर्णतः ‘अवैध’ है। चुनाव आयोग की लंबी खामोशी से समस्या का समाधान नहीं मिलेगा, लिहाजा सीईसी और दोनों चुनाव आयुक्तों को एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर धुंध को साफ करना चाहिए। आयोग देश से बड़ा और महत्वपूर्ण नहीं है। उसे अपनी छवि और प्रतिष्ठा की रक्षा करनी चाहिए। अभी तक एसआईआर में करीब 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। उनमें करीब 2.80 करोड़ ‘दिवंगत’ हो चुके हैं।

बैंकिंग व्यवस्था में ग्राहकों की निजता कितनी सुरक्षित?

महेन्द्र तिवारी

भारत में डिजिटल बैंकिंग का विस्तार हुआ है। आज घर बैठे धन भेजना, बिल जमा करना, ऋण लेना और खाते की जानकारी प्राप्त करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। लेकिन तकनीक की इस सुविधा के साथ व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा का प्रश्न भी गंभीर होता जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहकों से संबंधित जानकारी के डाकें वेब पर उजागर होने की हालिया घटना ने एक बार फिर बैंकिंग व्यवस्था की साइबर सुरक्षा और नागरिकों की निजता को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारतीय स्टेट बैंक को 16 अक्टूबर को अपने ग्राहकों की जानकारी के संभावित खुलासे के संबंध में सूचना मिली थी। बैंक ने लगभग 3.75 लाख ऑनलाइन अभिलेखों की प्रारंभिक जांच की, जिनमें 3,897 ग्राहक अभिलेखों में व्यक्तिगत पहचान संबंधी जानकारी पाई गई। इनमें नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, ईमेल और आवासीय पते, ग्राहक पहचान संबंधी विवरण तथा ऋण और अन्य अभिलेखों से जुड़ी जानकारीयों शामिल बताई गई हैं। बैंक ने मामले की विस्तृत जांच के लिए स्वतंत्र साइबर सुरक्षा संस्था को नियुक्त किया है। साथ ही यह भी कहा है कि घटना से उसके मुख्य कामकाज, वित्तीय प्रदर्शन और व्यावसायिक निरंतरता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है। हालाँकि, आँकड़ों के उजागर होने का वास्तविक स्रोत और पूरा दायरा जाँच के बाद ही स्पष्ट होगा। इस घटना को केवल कुछ हजार ग्राहकों की जानकारी उजागर



होने तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। बैंकिंग व्यवस्था विश्वास पर आधारित होती है। ग्राहक अपनी मेहनत की कमाई के साथ अपनी निजी और वित्तीय जानकारी भी बैंक को सौंपता है। यदि यह जानकारी अनधिकृत व्यक्तियों तक पहुँचती है, तो उसके दुरुपयोग की आशंका पैदा होती है। अपराधी ग्राहकों के नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर और ऋण संबंधी विवरणों का इस्तेमाल करके स्वयं को बैंक अधिकारी बताकर फोन कर सकते हैं। वे किसी वास्तविक लेनदेन या ऋण का उल्लेख करके ग्राहक का विश्वास जीतने और उससे गोपनीय जानकारी प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं। इस प्रकार जानकारी का खुलासा आगे चलकर वित्तीय धोखाधड़ी, पहचान की चोरी और मानसिक परेशानी का कारण बन सकता है। हालाँकि, यह स्पष्ट करना भी आवश्यक है कि व्यक्तिगत जानकारी के उजागर होने का अर्थ अपने आप बैंक खाते से धन चोरी होना नहीं है। बैंक ने ग्राहकों के खातों की शेष राशि सुरक्षित

होने की बात कही है। फिर भी, संभावित खतरे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। ग्राहकों को अनजान फोन, संदिग्ध संदेश और अपरिचित कड़ियों से सावधान रहना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में अपना एकमुश्त गुप्त संकेतांक, व्यक्तिगत पहचान संख्या अथवा बैंकिंग का गुप्त शब्द किसी के साथ साझा नहीं करना चाहिए। खाते में संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल बैंक से संपर्क करना चाहिए। इस प्रकरण में बैंक की जिम्मेदारी केवल जाँच कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे यह पता लगाना होगा कि जानकारी किस माध्यम से बाहर पहुँची, सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कमी रही और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कौन से कदम उठाए गए हैं। यदि कुछ ग्राहक प्रभावित हुए हैं, तो उन्हें समय पर स्पष्ट सूचना देना और सहायता उपलब्ध कराना आवश्यक है। सुरक्षा व्यवस्था में नियमित परीक्षण, सीमित अभिगम, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण तथा संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल पहचान को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

पेज 1 का शेष...

मनोज जरांगे की...

उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस मामले की SIT या विशेष जांच के माध्यम से सत्यता सामने लाने का अनुरोध करेंगे। बन ने कहा कि आज तकनीक की मदद से किसी भी व्यक्ति की आवाज की नकल की जा सकती है। ऐसे में केवल ऑडियो क्लिप के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुँचना उचित नहीं होगा। उनके अनुसार, क्लिप असली है, फर्जी है, उसमें छेड़छाड़ की गई है या वह AI से तैयार की गई है, इसका पता तकनीकी और फोरेंसिक जांच से ही चल सकता है। उन्होंने कहा कि सामने आए कथित संवाद के संदर्भ विधानसभा चुनाव से पहले के प्रतीत

होते हैं। इसलिए इस क्लिप के समय, संदर्भ और इसमें बातचीत करने वाले लोगों की पहचान की भी जांच की जानी चाहिए, ताकि महाराष्ट्र की जनता के सामने तथ्य आ सकें। नवनाथ बन ने कहा कि क्लिप में 500 करोड़ रुपये और विधानसभा चुनाव का उल्लेख होने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे पहले ही किसी को 500 करोड़ रुपये देने से इनकार कर चुके हैं, जबकि मनोज जरांगे पाटील ने भी कहा है कि उन्होंने किसी से 500 करोड़ रुपये नहीं लिए। ऐसे में यह पता लगाना जरूरी है कि ऑडियो क्लिप जरांगे को किसने दी और इसका स्रोत क्या है। उन्होंने कहा कि पुलिस और गृह विभाग को यह जांच करने का

अधिकार है कि क्लिप मूल है या उसमें किसी तरह की तकनीकी छेड़छाड़ की गई है। जांच पूरी होने से पहले इस पर अंतिम टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। नवनाथ बन ने मनोज जरांगे पाटील की सुरक्षा से जुड़े सवाल पर कहा कि यदि उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता है तो गृह विभाग इस संबंध में उचित निर्णय ले सकता है। उन्होंने कहा कि जरांगे लंबे समय से मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे हैं और उनकी सुरक्षा महत्वपूर्ण है। बन ने कहा कि यदि वर्तमान सुरक्षा अपर्याप्त पाई जाती है तो पुलिस अधिकारी और गृह विभाग परिस्थितियों का आकलन कर उसे बढ़ाने पर निर्णय ले सकते हैं।

क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है?

सौरभ वार्णाय

मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि सपनों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहां हर दिन लाखों लोग बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। मायानगरी की चमक-दमक, फिल्मी सितारों की लोकप्रियता, उद्योग व्यापार की रफ्तार और चौबीसों घंटे सक्रिय रहने वाली जिंदगी मुंबई की पहचान है। लेकिन जब इसी महानगर में सरेआम गोलीबारी की घटनाएं सामने आती हैं, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है। क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है? क्या कभी संगठित अपराध और अंडरवर्ल्ड की दहशत के लिए चर्चा में रहने वाला यह शहर एक बार फिर असुरक्षा के साये में जाने लगा है?अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर जुहु के पुष्पा पार्क इलाके के पास कथित गोलीबारी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बाइक सवार तीन लोग वहां पहुंचे और अचानक टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर गोलियां चलाने लगे। इस घटना में अभिनेता के सुरक्षित होने की बात सामने आई है, जबकि उनके ड्राइवर और पास में मौजूद एक ऑटो-रिक्षा चालक के घायल होने की सूचना है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है।यदि घटना से जुड़ी ये जानकारीयों जांच में पुष्ट होती हैं, तो यह केवल किसी फिल्मी सितारे की सुरक्षा का मामला नहीं रह जाता। यह उस आम नागरिक की सुरक्षा का भी प्रश्न बन जाता है, जो रोजी-रोटी कमाने के लिए सड़क पर निकलता है, ऑटो चलाता है, टैक्सी में सफर करता है या अपने काम से घर लौट रहा होता है।



पहलू यह है कि गोलीबारी की चपेट में वे लोग भी आ सकते थे, जिनका न तो फिल्मी दुनिया से कोई संबंध है और न ही किसी विवाद से। ड्राइवर और ऑटो-रिक्षा चालक जैसे आम लोग ऐसी घटनाओं में बिना किसी गलती के अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। सवाल यह है कि अगर सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह अचानक गोलियां चलाई जा सकती हैं, तो आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं? सड़क पर खड़ा व्यक्ति, बाजार में खरीदारी करने वाला परिवार, देर रात ड्यूटी से लौटता कर्मचारी और अपने बच्चों के साथ बाहर निकला अभिभावक। इन सभी को सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए। कानून-व्यवस्था का वास्तविक आकलन केवल बड़े लोगों की सुरक्षा से नहीं, बल्कि आम जनता के भयमुक्त जीवन से होता है। मुंबई ने एक दौर में अंडरवर्ल्ड, जबरन वसूली और संगठित अपराध का जन्म जोखिम में डाल देते हैं। उस दौर में फिल्म उद्योग, कारोबारी जगत और आम नागरिकों के बीच भय का वातावरण पैदा करने वाली घटनाएं भी हुई थीं। पुलिस की कार्रवाई, खुफिया तंत्र की सक्रियता और कानून के सख्त इस्तेमाल से शहर ने कई मोर्चों पर अपनी स्थिति मजबूत की। ऐसे में गोलीबारी जैसी कोई घटना लोगों को उस पुराने दौर की याद दिला सकती है। हालांकि, किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि मुंबई में अंडरवर्ल्ड का पुराना आतंक लौट आया है। इसके पीछे

व्यक्तिगत रंजिश, अपराधिक गिरोहों की गतिविधि, धमकी, वसूली या कोई अन्य कारण है या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। लेकिन इतना तय है कि ऐसी घटनाओं को हल्के में लेने की गुंजाइश नहीं है। समय रहते अपराधियों की पहचान, उनके नेटवर्क का खुलासा और हथियारों की उपलब्धता के स्रोत तक पहुंचना जरूरी है। यदि घटना के पीछे संगठित अपराध का हाथ निकलता है, तो कार्रवाई केवल गोली चलाने वालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में बच्चों के साथ बाहर निकला अभिभावक। इन सभी को सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए। कानून-व्यवस्था का वास्तविक आकलन केवल बड़े लोगों की सुरक्षा से नहीं, बल्कि आम जनता के भयमुक्त जीवन से होता है। मुंबई ने एक दौर में अंडरवर्ल्ड, जबरन वसूली और संगठित अपराध का जन्म जोखिम में डाल देते हैं। उस दौर में फिल्म उद्योग, कारोबारी जगत और आम नागरिकों के बीच भय का वातावरण पैदा करने वाली घटनाएं भी हुई थीं। पुलिस की कार्रवाई, खुफिया तंत्र की सक्रियता और कानून के सख्त इस्तेमाल से शहर ने कई मोर्चों पर अपनी स्थिति मजबूत की। ऐसे में गोलीबारी जैसी कोई घटना लोगों को उस पुराने दौर की याद दिला सकती है। हालांकि, किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि मुंबई में अंडरवर्ल्ड का पुराना आतंक लौट आया है। इसके पीछे

सामने आने चाहिए। साथ ही, घायल लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया में संवेदनशीलता बरतना जरूरी है। पुलिस की जांच पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि जनता के बीच फैलने वाली अफवाहों और अनावश्यक भय पर भी अंकुश लगाया जा सके। किसी महानगर में गोलीबारी की घटना केवल पुलिस की गश्त पर सवाल नहीं उठाती, बल्कि यह भी पूछती है कि अपराधियों तक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। यदि जांच में अवैध हथियारों के इस्तेमाल की पुष्टि होती है, तो हथियारों की तस्करी और उनकी आपूर्ति करने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई अनिवार्य हो जाती है। अपराध रोकने के लिए सड़कों पर पुलिस की मौजूदगी को सशक्त-साथ खुफिया जानकारी जुटाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा। संवेदनशील इलाकों में प्रभावी निगरानी, त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया और तकनीक का जिम्मेदार इस्तेमाल अपराधियों के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कानून का शहर की आबादी, आर्थिक गतिविधियों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों को देखते हुए यहां सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी है। ऐसे में पुलिस के सामने चुनौती केवल घटना के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करने की नहीं, बल्कि भविष्य में इस तरह की वारदातों को रोकने की भी है। जांच एजेंसियों को घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, इस्तेमाल किए गए हथियारों और हमलावरों के आने-जाने के रास्तों की पड़ताल करनी चाहिए। गोलीबारी के पीछे की मंशा का पता लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। क्या किसी को उतना ही महत्वपूर्ण है। इससे जांच प्रभावित हो सकती है और आम लोगों में बेवजह डर फैल सकता है।पीडिया की जिम्मेदारी है कि वह घटना की गंभीरता को सामने लाए, पुलिस से जवाबदेही मांगे और जनता को

सही जानकारी दे। लेकिन जांच पूरी होने से पहले किसी व्यक्ति या संगठन को दोषी ठहराना पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। जांच के दौरान में सवाल पूछना जरूरी है, मगर सवालों के जवाब तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर तलाशना उससे भी अधिक जरूरी है। मुंबई की पहचान उसकी जीवंतता, मेहनतकश लोगों और विपरीत परिस्थितियों से उबरने की क्षमता से बनी है। किसी गोलीबारी की घटना से पूरे शहर को असुरक्षित घोषित करना उचित नहीं, लेकिन ऐसी वारदातों को सामान्य मान लेना भी खतरनाक है। शहर की आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक जीवन को निर्भय बनाए रखने के लिए नागरिकों का भरोसा कायम रहना चाहिए।महाराष्ट्र सरकार और मुंबई पुलिस को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई निष्पक्ष, प्रभावी और समयबद्ध हो। फिल्मी सितारों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा के साथ आम नागरिकों की सुरक्षा भी प्राथमिकता होनी चाहिए, जो रोज सड़कों पर काम करते हैं और शहर की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं।टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर कथित गोलीबारी की घटना मुंबई के लिए एक गंभीर चेतावनी है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि शहर में अंडरवर्ल्ड का पुराना खौफ लौट आया है, लेकिन यह सवाल जरूर उठता है कि अपराधियों के हासले बढ़ने की किसी भी संभावना को समय रहते कैसे रोका जाए। पुलिस को जांच के जरिए सच्चाई सामने लानी होगी, अपराधियों को कानून के कठघरे में खड़ा करना होगा और जनता को सुरक्षा का भरोसा देना होगा। मुंबई को डर के साये में नहीं, विश्वास और सुरक्षा के वातावरण में आगे बढ़ना चाहिए। मायानगरी की असली ताकत उसकी चमक-दमक नहीं, बल्कि उसके नागरिकों का साहस और कानून पर उनका भरोसा है। इस भरोसे को बनाए रखना ही शासन और पुलिस की सबसे बड़ी कसौटी है।

बाहरी सेवा प्रदाताओं के माध्यम से होने वाले संभावित जोखिमों की भी जाँच जरूरी है। सरकार और नियामक संस्थाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। वित्तीय संस्थानों के लिए साइबर सुरक्षा के स्पष्ट मानक, नियमित अनुपालन जाँच और उल्लंघन की स्थिति में जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा को केवल तकनीकी विभाग का दायित्व मानना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए बैंक के प्रबंधन से लेकर प्रत्येक कर्मचारी तक सतर्कता और जिम्मेदारी की संस्कृति विकसित करनी होगी। डिजिटल बैंकिंग आधुनिक

अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है, लेकिन इसकी सफलता केवल तेज सेवाओं और सुविधाजनक लेनदेन से नहीं मापी जा सकती। वास्तविक सफलता तब होगी, जब ग्राहक बिना भय के अपनी मेहनत की कमाई बैंक में रख सके और उसे विश्वास हो कि उसकी निजी जानकारी सुरक्षित है। एसबीआई से जुड़ी यह घटना याद दिलाती है कि तकनीकी प्रगति के साथ सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही को भी समान महत्त्व देना होगा। ग्राहक का विश्वास किसी भी बैंक की सबसे बड़ी पूँजी है और उसकी रक्षा करना बैंकिंग व्यवस्था की अनिवार्य जिम्मेदारी है।



एल.आई.सी
भारतीय जीवन बीमा
से संबंधित किसी भी
जानकारी या समस्या
समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो. 9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहति यातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जाँचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक स्वर्णिम प्रदेश के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाएं या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

आज का राशिफल



मेष: उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, काम गति पकड़ेंगे। व्यापार में लाभ के नए रास्ते खुलेंगे। परिवार में धार्मिक या शुभ चर्चा हो सकती है। आर्थिक मामलों में स्थिति बेहद मजबूत रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, ताजगी और ऊर्जा बनी रहेगी। भगवान विष्णु को चने की दाल और गुड़ अर्पित करें।

वृषभ: कार्यस्थल पर शांतिपूर्वक और योजनाबद्ध तरीके से काम करें। व्यापारिक सौदों में विवेक और धैर्य से काम लें। पारिवारिक जीवन में तालमेल और मिठास रहेगी। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। सेहत सामान्य रहेगी, खान-पान सुपाच्य रखें। केले के वृक्ष का पूजन करें और देसी घी का दीपक जलाएं।

मिथुन: करियर में उन्नति के नए रास्ते साफ होंगे। व्यापार में लिया गया समझदारी भरा फैसला फायदा देगा। दौपत्य जीवन में मधुरता और तालमेल बना रहेगा। आय के स्रोतों में वृद्धि होने के योग हैं। मानसिक रूप से बहुत शांति और प्रसन्नता रहेगी। माथे पर केसर या हल्दी का तिलक लगाएं।

कर्क : सहकर्मियों का भरपूर सहयोग कार्य आसानी से पूरे कराएगा। व्यावसायिक यात्राओं से धन लाभ संभव है। पारिवारिक माहौल आनंददायक और शांतिपूर्ण रहेगा। धन लाभ के मजबूत संकेत हैं। विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और पीली मिठाई का दान करें।

सिंह: कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा का सम्मान होगा। व्यापार में नए निवेश से बड़ा फायदा हो सकता है। प्रेम संबंधों में नया उत्साह और विश्वास दिखेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत और सुदृढ़ रहेगा। स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा, स्फूर्ति बनी रहेगी। सूर्य देव को अर्घ्य दें और किसी धार्मिक पुस्तक का दान करें।

कन्या: दफ्तर में पूरी सजगता के साथ काम करें। व्यापार में हड़बड़ी में कोई फैसला न लें। परिवार के बुजुर्गों का आशीर्वाद और सहयोग मिलेगा। वित्तीय मामलों में संतुलन बनाकर चलना आवश्यक है। मानसिक थकान से बचें, पर्याप्त विश्राम करें। गुरु या किसी बुजुर्ग के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लें।

तुला: नौकरी में आपका प्रभाव और दायरा बढ़ सकता है। व्यापारिक नीतियां सफल होंगी, अच्छा मुनाफा होगा। पारिवारिक जीवन में सौहार्द और खुशहाली रहेगी। धन प्राप्ति के उत्तम योग बने हुए हैं। सेहत अच्छी रहेगी, ऊर्जावान महसूस करेंगे। किसी मंदिर में चने की दाल का दान करें।

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र में विरोधियों पर आपकी जीत होगी। व्यापार में लाभ की दर बढ़ने की पूरी संभावना है। परिवार का समर्थन आपकी हिम्मत बढ़ाएगा। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। तनावमुक्त रहें, स्वास्थ्य ठीक रहेगा। 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जप करें।

धनु : रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिलेगी। व्यापार में नया निवेश करने का सही समय है। संतान पक्ष से संतोषप्रद और शुभ समाचार मिलेगा। आय में वृद्धि होने के स्पष्ट संकेत हैं। ताजगी और स्फूर्ति बनी रहेगी। पीले रंग के वस्त्र धारण करें और गुरु का आशीर्वाद लें।

मकर: कार्यस्थल पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापार में लिखा-पढ़ी का काम ध्यान से करें। परिवार में मिलकर पुरानी समस्याओं को सुलझाएं। फालतू खर्चों पर लगाम लगाणा जरूरी है। शरीर में थकावट महसूस हो सकती है, विश्राम करें। पीपल के वृक्ष को जल चढ़ाएं।

कुंभ: अपनी बुद्धिमत्ता से सभी कठिन काम आसानी से निपटाएंगे। व्यापार में नए सौदों पर मुहर लग सकती है। प्रियजनों के साथ खुशनुमा समय बीतेगा। वित्तीय स्थिति काफी मजबूत होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, स्फूर्ति महसूस होगी। किसी छात्र को पढ़ाई की सामग्री या पीली वस्तु दान करें।

मीन: कार्यस्थल पर आपकी सलाह और सुझावों को माना जाएगा। व्यापार में मुनाफे के नए मौके मिलेंगे। परिवार में किसी मांगलिक कार्य की चर्चा हो सकती है। धन संचय की दिशा में किए प्रयास सफल रहेंगे। मानसिक शांति मिलेगी, सेहत अच्छी रहेगी। भगवान विष्णु को पीले फूल और गुड़-चना चढ़ाएं।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस: अंधेरी के होटल में फर्जी पहचान से रुके थे हमलावर

संवाददाता
मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर 18 अक्टूबर को जुहू में हुई गोलीबारी की घटना की जांच में एक और अहम जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले के दो संदिग्ध हमलावर अंधेरी ईस्ट स्थित 'आर आर रेजिडेंसी' होटल में फर्जी पहचान के साथ करीब पांच दिनों तक रुके थे। संदिग्धों की पहचान रेहान आर. और फूल सिंह के रूप में बताई गई है, जो हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले हैं। वहीं ऋतिक कुर्मी उर्फ रोशन बिहार के बेगुसराय का निवासी बताया गया है और मुंबई में रहता है। बताया गया है कि आरोपी होटल में अपने वास्तविक नामों के बजाय 'अंकित' और 'मोहित' नाम से ठहरे थे और पहचान के लिए आधार कार्ड जमा किए थे।

होटल प्रबंधन के अनुसार, दस्तावेजों में हरियाणा का पता दर्ज था। होटल के मैनेजर विक्रांत ने बताया कि आरोपियों के हाव-भाव या गतिविधियों से कर्मचारियों को उन पर किसी तरह का संदेह नहीं हुआ। उन्होंने होटल स्टाफ को बताया था कि वे मुंबई घूमने आए हैं। मैनेजर के अनुसार, आरोपी कमरे का राजना करीब 1,500 रुपये नकद किराया देते थे और आमतौर पर बाहर से खाना मंगाते थे। गोलीबारी की घटना के बाद जब क्राइम ब्रांच की

पांच दिन तक ‘अंकित’ और ‘मोहित’ के नाम से ठहरने का दावा, CCTV में घटना से पहले होटल से निकलते दिखे आरोपी



टीम होटल पहुंची और संदिग्धों की तस्वीरें दिखाई, तब होटल कर्मचारियों को उनके मामले से जुड़े होने की जानकारी हुई। मैनेजर ने बताया कि पुलिस को संदिग्धों के ठहरने वाले कमरे की भी जानकारी दी गई। कमरे में उनके कुछ बैग, कपड़े और चप्पलें भी पड़े मिले थे, जिन्हें जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रिपोर्ट में सामने आए सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर संदिग्धों को गोलीबारी से कुछ समय पहले होटल से निकलते देखा गया। फुटेज के मुताबिक, शाम करीब 4:12 बजे एक आरोपी नीला बैग लेकर होटल से निकला। इसके करीब एक मिनट बाद 4:13 बजे दो अन्य लोग पीली रंग की पल्सर मोटरसाइकिल पर वहां से

निकलते दिखाई दिए। रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि नीले बैग में हथियार हो सकता था, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बताया गया कि होटल से निकलने के बाद तीनों संदिग्ध जुहू स्थित एक फुटबॉल क्लब की दिशा में गए, जहां बाद में गोलीबारी की घटना हुई। इस हमले में टाइगर श्रॉफ समेत तीन लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की बात सामने आई थी। क्राइम ब्रांच अब होटल में ठहरने के दौरान आरोपियों की गतिविधियों, इस्तेमाल किए गए पहचान पत्रों, मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज और अन्य मिनट बाद 4:13 बजे दो अन्य लोग पीली रंग की पल्सर मोटरसाइकिल पर वहां से

मुंबई एयरपोर्ट पर जाम्बिया की महिला से 190 ग्राम कोकीन बरामद

संवाददाता
मुंबई। अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों के सिंडिकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 'डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेल्लिजेंस (DRI)' की मुंबई जोनल यूनिट ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कोकीन तस्करी की कोशिश नाकाम कर दी। कार्रवाई में जाम्बिया की एक महिला नागरिक को गिरफ्तार किया गया है, जिसके शरीर के अंदर से 190 ग्राम कोकीन बरामद हुई। DRI के अनुसार, यह कार्रवाई 20 अक्टूबर को विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर की गई। महिला यात्री रिएरा लियोन के फ्रीटाउन से इथियोपिया के अदीस अबाबा होते हुए मुंबई पहुंची थी। अधिकारियों को सूचना मिली थी कि एक विदेशी महिला को नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए कैरियर के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी आधार पर DRI अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर निगरानी बढ़ाई और संदिग्ध महिला के पहुंचते ही उसे रोक लिया। पूछताछ और शुरुआती जांच के दौरान अधिकारियों को संदेह हुआ कि महिला ने नशीले पदार्थों से भरे कैप्सूल अपने शरीर के अंदर छिपा रखे हैं। इसके बाद उसे विस्तृत चिकित्सकीय जांच के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। 20 और 21 अक्टूबर के बीच चली मेटिकल जांच के दौरान महिला के शरीर से कुल 11 कैप्सूल निकाले गए। इन कैप्सूल में सफेद रंग का पाउडर भरा हुआ था।



विशेष जांच किट से किए गए शुरुआती परीक्षण में पदार्थ के कोकीन होने की पुष्टि हुई। बरामद 190 ग्राम कोकीन को DRI ने जन्म कर लिया। इसके बाद जाम्बिया की महिला को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (NDPS) एक्ट के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट हवाई अड्डों पर सामान की सामान्य जांच से बचने के लिए 'बॉडी पैकिंग' जैसे खतरनाक तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें नशीले पदार्थों से भरे कैप्सूल शरीर के अंदर छिपाकर ले जाए जाते हैं। DRI ने मामले की आगे जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कोकीन की यह खेप मुंबई में किसے सौंपी जानी थी, इसके पीछे कौन से स्थानीय संपर्क सक्रिय थे और तस्करी नेटवर्क को संचालित तथा वित्तपोषित करने वाले लोग कौन हैं।

‘इंडिया केम 2026’ से भारत को वैश्विक रासायनिक हब बनाने का अवसर: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

संवाददाता
मुंबई। 'एडवांटेज्ड भारत: एन इमर्जिंग ग्लोबल केमिकल हब' की संकल्पना पर आधारित 'इंडिया केम 2026' प्रदर्शनी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीति-निर्माताओं, निवेशकों, शोधकर्ताओं और उद्यमियों को एक मंच पर लाने वाला महत्वपूर्ण आयोजन बताया है। उन्होंने कहा कि इससे नई साझेदारियों, निवेश अवसरों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी बढ़ेगी तथा देश को वैश्विक रासायनिक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करने का अवसर मिलेगा। गुरुवार को गोंरेगांव स्थित नेस्को एंजिबिशन सेंटर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी 'इंडिया केम 2026' का उद्घाटन केंद्रीय रसायन मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रमुख उपस्थिति में किया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन रावण, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माथी, केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रीया पटेल, विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और देश-विदेश के निवेशक मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि कृषि, दवा निर्माण, वस्त्रोद्योग, वाहन निर्माण सहित अनेक क्षेत्रों के लिए रासायनिक उत्पाद आवश्यक हैं और इस उद्योग की प्रगति घरेलू उत्पादन तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य से जुड़ी हुई है। उनका संदेश केंद्रीय मंत्री नड्डा ने पढ़कर सुनाया। प्रधानमंत्री ने रासायनिक उद्यानों के विकास, अनुसंधान, विकास

और नवाचार योजनाओं के साथ उन्नत रसायनों की बढ़ती मांग का उल्लेख करते हुए उद्योग जगत से आधुनिक तकनीक, उच्च मूल्यवर्धित उत्पाद, टिकाऊ उत्पादन पद्धतियों और संसाधनों के प्रभावी उपयोग में निवेश बढ़ाने का आह्वान किया। 2047 तक 1.6 ट्रिलियन डॉलर की रासायनिक अर्थव्यवस्था का लक्ष्य केंद्रीय रसायन मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि भारत के रासायनिक उद्योग का वर्तमान बाजार करीब 220 अरब अमेरिकी डॉलर है। इसे वर्ष 2040 तक एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि रासायनिक औद्योगिक पार्कों के लिए केंद्र सरकार की योजना के तहत प्रत्येक पार्क को एक हजार करोड़ रुपये तक केंद्रीय सहायता देने का प्रबंध है, जबकि संबंधित राज्य से कम से कम 500 करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा है। उद्देश्य विश्वस्तरीय औद्योगिक पारिस्थितिकी, एकीकृत मूल्य श्रृंखला, लागत प्रतिस्पर्धा और टिकाऊ उत्पादन को बढ़ावा देना है। नड्डा ने कहा कि एक लाख करोड़ रुपये की अनुसंधान, विकास और नवाचार योजना में उन्नत रसायन और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र को शामिल किया गया है। औद्योगिक सुरक्षा, खतरनाक रसायनों की सुरक्षित हैंडलिंग, अपात स्थिति से निपटने की तैयारी, कर्मचारियों का प्रशिक्षण, कार्बन उत्सर्जन में कमी और प्लास्टिक रीसाइक्लिंग की सुविधाओं पर भी

महाराष्ट्र नवंबर के पहले सप्ताह में लाएगा अलग रासायनिक उद्योग नीति, पालघर के वादवण बंदर क्षेत्र में बड़े केमिकल इंडस्ट्रियल हब की तैयारी



जोर दिया जा रहा है।

महाराष्ट्र नवंबर में घोषित करेगा अलग केमिकल पॉलिसी
मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि महाराष्ट्र सरकार रासायनिक उद्योगों में निवेश बढ़ाने के लिए स्वतंत्र नीति तैयार कर रही है, जिसे नवंबर के पहले सप्ताह में घोषित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पालघर जिले में वादवण बंदर के आसपास एक बड़े रासायनिक औद्योगिक केंद्र को विकसित करने की योजना है। मुख्यमंत्री के अनुसार, महाराष्ट्र में लगभग 3,600 रासायनिक उद्योग कार्यरत हैं। देश के रासायनिक उद्योग के कुल सकल मूल्यवर्धन में महाराष्ट्र की हिस्सेदारी करीब 19 प्रतिशत और रासायनिक उत्पादों के निर्यात में करीब 17 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि राज्य में पेट्रोकेमिकल, कृषि रसायन, विशेष रसायन, पॉलिमर और औद्योगिक रसायन निर्माण के लिए

59 मिनट में मुंबई का संकल्प अब करीब सीएम फडणवीस ने किया तीन फ्लाईओवरों का लोकार्पण

संवाददाता
मुंबई। मुंबई महानगर क्षेत्र में तेज गति से विकसित हो रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कारण '59 मिनट में मुंबई' का संकल्प अब साकार होने की दिशा में बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महानगर क्षेत्र में चल रही मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी परियोजनाओं से न केवल संपर्क व्यवस्था तेज होगी, बल्कि नागरिकों के 'इज ऑफ लिविंग' में भी बड़ा सुधार आएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने वर्षा निवास से ऑनलाइन माध्यम से मुंबई महानगर पालिका की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं— विद्याविहार रेलवे स्टेशन पर लालबहादुर शास्त्री मार्ग और रामचंद्र चेंबूरकर मार्ग को जोड़ने वाले रेलवे फ्लाईओवर, शीव रेलवे स्टेशन के फ्लाईओवर और गोंरेगांव-मुलुंड लिंक रोड परियोजना के तहत रत्नागिरी जंक्शन से चित्रनगरी तक बने फ्लाईओवर—का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में पुणे से उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, जबकि कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढा, सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार, विधायक राजहंस सिंह, परगण शाहा, महापौर ऋतु तावडे, उपमहापौर संजय सहित अन्य जनप्रतिनिधि जुड़े। कार्यक्रम की प्रस्तावना मनपा आयुक्त अश्विनी भिडे ने रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम

निर्बाध संपर्क व्यवस्था विकसित की जा रही है। विद्याविहार, गोंरेगांव पूर्व और शीव की तीनों परियोजनाएं रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं और इनके कारण मुंबईकरों की यात्रा अधिक सुगम होगी। उन्होंने कहा कि विद्याविहार फ्लाईओवर पूर्व के रामचंद्र चेंबूरकर मार्ग और पश्चिम के एलबीएस मार्ग को जोड़ता है। पहले यह दूरी तय करने में करीब 30 मिनट लगते थे, जो अब लगभग 10 मिनट में पूरी हो सकेगी। इससे घाटकोपर स्टेशन के पास स्थित फ्लाईओवर पर यातायात का दबाव भी कम होगा। गोंरेगांव-मुलुंड लिंक रोड को पूर्व-पश्चिम संपर्क के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रत्नागिरी होटल जंक्शन के पास बने फ्लाईओवर और उन्नत गोलाकार मार्ग की संरचना से आसपास के जंक्शनों पर ट्रैफिक जाम कम होगा और आगे प्रस्तावित जुड़वां भूमिगत सुरंगों तक पहुंच आसान होगी। शीव रेलवे पुल के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि 112 वर्ष पुराना पुल असुरक्षित हो चुका था। नए पुल से यातायात में सुधार होने के साथ मध्य रेलवे की पांचवीं और छठी लाइन के निर्माण का रास्ता भी साफ होगा। इन अतिरिक्त रेल लाइनों के पूरा होने के बाद लोकल ट्रेनों की संख्या और आवृत्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी। नया शीव पुल पूर्व में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मार्ग और ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे को पश्चिम में धारावी, बांद्रा और बीकेसी से जोड़ने वाला

‘विद्याविहार, शीव और गोंरेगांव-मुलुंड लिंक रोड परियोजनाओं से पूर्व-पश्चिम कनेक्टिविटी को मिलेगा बड़ा फायदा



महत्वपूर्ण लिंक बनेगा। इस परियोजना का रेलवे हिस्से का खर्च 33.51 करोड़ रुपये और अप्रोच रोड का खर्च 31.62 करोड़ रुपये है। पुल का काम तय समय से करीब चार महीने पहले पूरा किया गया। शीव रेलवे पुल की लंबाई 54.5 मीटर और चौड़ाई 26 मीटर है। इसमें 496 टन वजन के दो 'सेमी थ्रू स्टील गर्डर' लगाए गए हैं। डॉ. आंबेडकर रोड की ओर 65 मीटर, धारावी की ओर 110 मीटर और एलबीएस रोड की ओर 97 मीटर लंबे अप्रोच रोड बनाए गए हैं। विद्याविहार फ्लाईओवर की कुल लंबाई करीब 600 मीटर और चौड़ाई 15.50 से 17.50 मीटर है। इसका निर्माण दो चरणों में किया गया। पहले चरण में रेलवे क्षेत्र की सेवाओं का पुनर्स्थापन और 99.34

मीटर लंबी दो गार्ड संरचनाएं स्थापित की गईं, जबकि दूसरे चरण में पूर्व और पश्चिम दिशा में लगभग 500 मीटर लंबे सर्विस रोड बनाए गए। गोंरेगांव पूर्व में GMLR के तहत बना फ्लाईओवर 1.26 किलोमीटर लंबा और छह लेन वाला है। इसमें प्रीकास्ट बॉक्स आकार के कंक्रीट सेगमेंट, पी-7 से पी-11 के बीच घुमावदार स्टील स्पैन तथा जटिल बहुदिशात्मक संरचना का इस्तेमाल किया गया है। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने कहा कि महानगरपालिका, राज्य सरकार और केंद्र सरकार के समन्वय से मुंबई की कई बड़ी परियोजनाएं तेजी से पूरी हो रही हैं। उन्होंने मनपा प्रशासन, इंजीनियरों, अधिकारियों, ठेकेदारों और कामगारों को इसके लिए बधाई दी।

मुंबई में 24-25 अक्टूबर को ‘ग्रंथाली कविता मुंबई 2026’ कई भाषाओं के कवि होंगे शामिल

दूसरे दिन मराठी कवि एवं लेखक महेश दत्तात्रेय लोढे को मिलेगा ‘ग्रंथाली कविता मुंबई सम्मान’

संवाददाता
मुंबई। साहित्य और कविता प्रेमियों के लिए मुंबई में दो दिवसीय 'ग्रंथाली कविता मुंबई 2026' का आयोजन 24 और 25 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। इस साहित्यिक आयोजन में हिंदी, मराठी, गुजराती, उर्दू, मैथिली, भोजपुरी, ब्रजभाषा और गोरमाटी सहित विभिन्न भाषाओं के कवि अपनी रचनाओं के माध्यम से साहित्यिक विचारों और काव्य परंपराओं को साझा करेंगे। आयोजन के पहले दिन 24 अक्टूबर को उद्घाटन सत्र के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता अरुण शेवते करेंगे, जबकि राजेंद्र गौतम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सत्र का संचालन प्रशांत जैन करेंगे। इस दौरान समय, समाज और कविता जैसे विषयों के साथ विभिन्न भाषाओं की काव्य प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रम में धूमिल, दिनकर कर्णाडकर और कैफ़ी आज़मी जैसे साहित्यिक नामों से जुड़े विशेष कविता सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में अलग-अलग भाषाओं के कवि अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे और भारतीय साहित्य की बहुभाषी परंपरा की झलक पेश करेंगे। दूसरे दिन 25 अक्टूबर को भी कविता सत्रों



की श्रृंखला जारी रहेगी। इसमें विभिन्न भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के कवियों की भागीदारी रहेगी। इसी दिन शाम 4 बजे से 5:30 बजे तक 'ग्रंथाली कविता मुंबई सम्मान' समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रसिद्ध मराठी कवि एवं लेखक महेश दत्तात्रेय लोढे को सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह की अध्यक्षता हृदयेय मयंक करेंगे, जबकि संजय कृष्णाजी पाटील अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में सुरेश हिंगलाजपुरकर, अरुण जोशी और धनश्री धरप की भी उपस्थिति रहेगी। समारोह का संचालन रमन मिश्र करेंगे और हरिप्रसाद राय आभार व्यक्त करेंगे। दो दिवसीय सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इस उद्देश्य 'ग्रंथाली कविता मुंबई 2026' का उद्देश्य विभिन्न भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों और कवियों को साझा मंच प्रदान करने के साथ मुंबई की बहुभाषी साहित्यिक संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।

सड़क परियोजनाओं में होगा थर्मल पावर प्लांट की राख का उपयोग, महानिर्मिती और MSRDC के बीच समझौता

संवाददाता
मुंबई। थर्मल पावर प्लांटों से निकलने वाली राख का टिकाऊ उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण के साथ राज्य की आधारभूत संरचना परियोजनाओं को गति देने के उद्देश्य से महानिर्मिती और महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (MSRDC) के बीच समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ऊर्जा राज्यमंत्री मेघना साकोरे-बोर्डौकर की उपस्थिति में हुआ। समझौते के अनुसार जनवरी 2027 से दिसंबर 2028 के बीच पूर्वी महाराष्ट्र में प्रस्तावित एक्सप्रेसवे और खनिज परिवहन मार्ग परियोजनाओं के लिए करीब 6.17 करोड़ मीट्रिक टन राख के उपयोग का प्रस्ताव है। गुरुवार को महानिर्मिती के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राधाकृष्णन बी. और MSRDC के अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक अनिलकुमार बी. गायकवाड ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महानिर्मिती के निदेशक (प्रकल्प) अभय हरणे, कार्यकारी निदेशक (पर्यावरण) डॉ. नितो न वाघ और MSRDC के मुख्य महाप्रबंधक (पर्यावरण) नरेंद्र टोके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस समझौते के तहत महानिर्मिती के कोराडी, खापरखेडा और चंद्रपुर थर्मल पावर प्लांटों से निकलने वाली राख का उपयोग राज्य की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं में किया जाएगा। प्रस्तावित योजना के अनुसार नागपुर-गोंदिया एक्सप्रेसवे के लिए 2.09 करोड़ मीट्रिक टन, भंडारा-नाडचिरोली एक्सप्रेसवे

पूर्वी महाराष्ट्र के एक्सप्रेसवे और खनिज परिवहन मार्गों के लिए 6.17 करोड़ मीट्रिक टन राख के उपयोग का प्रस्ताव



के लिए 1.14 करोड़ मीट्रिक टन, नागपुर-चंद्रपुर एक्सप्रेसवे के लिए 2.79 करोड़ मीट्रिक टन और नवेगांव मोरे-सुरजागड खनिज परिवहन मार्ग के लिए 0.15 करोड़ मीट्रिक टन राख की अनुमानित आवश्यकता है। नागपुर क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए कोराडी या खापरखेडा थर्मल पावर स्टेशन से राख उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि चंद्रपुर क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए चंद्रपुर महानिर्मिती के निदेशक (प्रकल्प) अभय हरणे, कार्यकारी निदेशक (पर्यावरण) डॉ. नितो न वाघ और MSRDC के मुख्य महाप्रबंधक (पर्यावरण) नरेंद्र टोके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस समझौते के तहत महानिर्मिती के कोराडी, खापरखेडा और चंद्रपुर थर्मल पावर प्लांटों से निकलने वाली राख का उपयोग राज्य की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं में किया जाएगा। प्रस्तावित योजना के अनुसार नागपुर-गोंदिया एक्सप्रेसवे के लिए 2.09 करोड़ मीट्रिक टन, भंडारा-नाडचिरोली एक्सप्रेसवे

की जांच के बाद पात्र आर्थिक सहायता के दावों पर कार्रवाई की जाएगी। परिवहन, भंडारण, हैंडलिंग और उपयोग के दौरान पर्यावरणीय नियमों, तकनीकी मानकों और वैधानिक प्रावधानों का पालन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य केंद्र सरकार की 31 दिसंबर 2021 की राख संबंधी अधिसूचना के अनुरूप राख का 100 प्रतिशत उपयोग हासिल करना और महाराष्ट्र सरकार की 19 सितंबर 2025 की राख उपयोग नीति को लागू करना है। समझौते से थर्मल पावर प्लांटों में जमा पुरानी राख के बड़े पैमाने पर उपयोग की संभावना बनेगी। इससे राख के दीर्घकालीन भंडारण से जुड़ी पर्यावरणीय और परिचालन संबंधी जटिलताओं को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। यह समझौता 31 मार्च 2032 तक या संबंधित परियोजनाओं के पूरा होने तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगा। दोनों संस्थाओं के सक्षम प्राधिकरण की संमजूरी से इसकी अविधि आगे बढ़ाई जा सकेगी।

Delhi Government Takes Scientific Approach to Yamuna Revival: CM

NEW DELHI: Delhi Chief Minister Rekha Gupta on Thursday described the inauguration and foundation-laying ceremony for projects worth Rs 8,941 crore aimed at reviving the Yamuna as a significant milestone for the national capital. She said Prime Minister Narendra Modi had placed the river's rejuvenation among the government's key priorities and that the Delhi government was working with a scientific approach and a well-planned action strategy to fulfil this commitment. Expressing gratitude to Union Home Minister Amit Shah on behalf of the people of Delhi, the Chief Minister said his continued guidance and support in addressing



the capital's problems had provided fresh impetus to the government's efforts. She expressed confidence that the Prime Minister's leadership and the Union Home Minister's guidance would accelerate Delhi's development. CM Gupta said that during its nearly one-and-a-half-year tenure, the Delhi government had paid particular attention to expanding the sewerage network and increasing sewage treatment capacity. Work has

been awarded for 29 decentralised sewage treatment plant (STP) projects at an estimated cost of around Rs 3,000 crore, with a combined proposed treatment capacity of 170 million gallons per day (MGD). In addition, projects to upgrade existing STPs are being undertaken at a cost of approximately Rs 2,000 crore. The Chief Minister said sewer connections had been provided to households serving around 128,000 people across 54 unauthorised colonies. Work on laying sewerage networks had also progressed in 276 colonies. Furthermore, approximately 93 kilometres of trunk sewer lines had been desilted and cleaned over the past year.

The Chief Minister also highlighted developments in the water treatment sector, stating that a water treatment plant with a capacity of 50 MGD was operational in Dwarka. She referred to the 105-MGD plant at Chandrawal and the two-MGD recycling plant at Bawana. To strengthen the city's water supply infrastructure, construction of underground reservoirs (UGRs) had been completed at Bijwasan, Pal-la, Siraspur and Rajokri. Projects related to underground reservoirs in several other areas, including Sangam Vihar, Tughlaka-bad, Shahdara, Chanakya Place and Janakpuri, had also progressed following approval, she said.

Karnataka Seeks Centre's Intervention on Sugarcane Crisis and Drought

BENGALURU: Karnataka Chief Minister, D.K. Shivakumar on Thursday said a meeting with sugarcane farmers would be held on October 26, with sugar factory owners also invited, as Karnataka sought the Centre's intervention over issues affecting the sector and the prevailing drought. Speaking to reporters before leaving for Delhi, Shivakumar said Union Minister Pralhad Joshi had initially agreed to attend the meeting but subsequently expressed his inability to participate. However, Joshi had assured the State that necessary steps would be taken at the Central level, he said. 'We have called a meeting of sugarcane farmers on October 26 and have invited factory owners as well. Pralhad Joshi has also made efforts



in this regard,' Shivakumar said. He said the Union Minister had advised the State government to proceed with the discussions despite his absence and promised support in addressing the issues raised. 'Initially, he said he would attend. Later, he informed us that he could not come for certain reasons. He asked us to continue with the meeting and assured us that all necessary action would be taken,' Shivakumar added. According to Shivakumar, Joshi also said he would is-

sue instructions to the Central government officials concerned to facilitate further action on the matter. The October 26 meeting will bring farmers and factory owners together for discussions, while the State continues to pursue assistance from the Union government. Shivakumar stressed that the problem extended beyond Karnataka and affected several other states, making Central intervention necessary. He said some officials had been sent to take the matter forward. He also said the State had sought the Centre's involvement in addressing Karnataka's drought situation. His remarks indicated that the government was pursuing discussions with stakeholders alongside engagement with the Centre.

India Chem 2026: Odisha Charts Roadmap for Chemical-Led Industrial Growth

BHUBANESWAR: Odisha Chief Minister Mohan Charan Majhi showcased the state's investment potential at the 14th edition of India Chem 2026 in Mumbai on Thursday, outlining plans to transition from a mineral-driven economy towards chemical-led industrial growth. The three-day event, being held at the Bombay Exhibition Centre until October 24, is organised by the Department of Chemicals and Petrochemicals, Government of India, in association with the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FIC-

CI). Held under the theme 'Advantage Bharat: An Emerging Global Chemicals Hub', it brings together policymakers, industry leaders, investors and international stakeholders. The inaugural session was attended by Union Health and Family Welfare and Chemicals and Fertilizers Minister Jagat Prakash Nadda, Union Minister of State Anupriya Patel, Odisha Chief Minister Mohan Charan Majhi, Maharashtra Chief Minister Devendra Fadnavis and Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav, among other



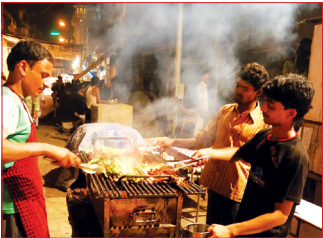
dignitaries. India's chemicals and petrochemicals sector is projected to reach USD 300 billion by 2030 and USD 1 trillion by 2040. Addressing the sector's priorities,

Nadda emphasised research and development, innovation, domestic manufacturing and industry collaboration. He also highlighted the Research, Development and Innovation (RDI) Scheme, backed by a ₹1 lakh crore corpus, as a means of strengthening technological development and industrial capabilities. The Majhi highlighted Odisha's mineral resources, port infrastructure and established industrial base as key advantages for developing its chemical and petrochemical industries. He underscored the importance of

Paradip, Gopalpur and Dhamra ports in connecting industries with domestic and international markets. The Chief Minister identified the Paradip Petroleum, Chemicals and Petrochemicals Investment Region (PCPIR), Indian Oil Corporation Limited's refinery and petrochemical complex, and the Plastic Park at Paradip as important assets for downstream industries. These facilities offer opportunities in polymers, packaging and technical textiles. Emerging investment prospects include refrigerants, fluoro-

chemicals, green hydrogen and green ammonia at Gopalpur, as well as coal-gasification-based projects at Talcher and Lakhampur. Highlighting the state's industrial progress, Majhi said nearly 200 industrial units had been established in Odisha in less than two-and-a-half years, involving investments of approximately ₹3.52 lakh crore. The state has received investment proposals exceeding ₹22.50 lakh crore, of which more than ₹12.50 lakh crore have been approved by the High-Level Clearance Authority (HLCA).

दिल्ली प्रदूषित: अनेक निर्बंध लागू, रेस्टॉरंटच्या तंदूरमध्ये कोळसा, लाकूड वापरावर बंदी



नवी दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी दिल्लीतील हवेची गुणवत्ता फारच वाईट श्रेणीत गेल्याचे चित्र समोर आले आहे. 'कमिशन फॉर एअर क्वालिटी मॅनेजमेंट' ने बुधवारी 'ग्रेडेड रिस्पॉन्स अॅक्शन प्लॅन' अंतर्गत पहिल्या टप्प्यातील निर्बंध लागू केले आहेत. यानुसार, रेस्टॉरंटच्या तंदूरमध्ये कोळसा आणि लाकूड वापरण्यावर बंदी असेल. डिझेल जनरेटरचा वापर केवळ आपत्कालीन किंवा अत्यावश्यक परिस्थितीतच करता येईल. CAQM ने एका निवेदनात म्हटले आहे की, २० ऑक्टोबर रोजी दिल्लीचा 'एअर क्वालिटी इंडेक्स' (AQI) १७९ होता, जो २१ ऑक्टोबर रोजी दुपारी २ वाजता वाढून २४४ (वाईट श्रेणी) वर पोहोचला आहे. GRAP हे आपत्कालीन उपाययोजनांचे एक संघ आहे, जे हवेची गुणवत्ता एका विशिष्ट मर्यादपेक्षा जास्त खराब होऊ

नये म्हणून लागू केले जाते. जेव्हा AQI २०१ ते ३०० च्या दरम्यान असतो, तेव्हा GRAP चा पहिला टप्पा (GRAP-1) कार्यान्वित होतो. GRAP-1 अंतर्गत, प्रदूषणाला त्याच्या उगमस्थानीच रोखण्यावर भर दिला जातो. यामध्ये हॉटेल आणि रेस्टॉरंटमधील 'तंदूर'मध्ये इंधन म्हणून कोळसा किंवा लाकडाचा वापर करण्यावर बंदी, तसेच कचरा, पालापाचोळा किंवा इतर टाकाऊ वस्तू जाळण्यावर बंदी घालणे यांसारख्या उपाययोजनांचा समावेश आहे. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रात निर्बंध लागू आहेत. यामध्ये सर्व बांधकाम आणि पाडकाम ठिकाणी धूळ नियंत्रण करणे अनिवार्य आहे. ५०० चौरस मीटरपेक्षा मोठ्या प्रकल्पांसाठी धूळ व्यवस्थापन योजना मंजूर असणे आवश्यक आहे. कचरा, पालापाचोळा आणि इतर टाकाऊ वस्तू उघड्यावर जाळण्यास मनाई आहे. रस्त्यावरील खाद्यपदार्थांच्या स्टॉल्सवर आणि व्यावसायिक स्वयंपाकघरांमध्ये कोळसा किंवा लाकडाचा वापर करण्यास बंदी आहे. हॉटेल, रेस्टॉरंट आणि खाद्यपदार्थांच्या दुकानांनी स्वयंपाकासाठी केवळ वीज, गॅस किंवा इतर स्वच्छ इंधनाचाच वापर करावा.

होर्मुझच्या सामुद्रधुनीत कुवेतचा ध्वज असलेल्या तेलवाहू जहाजावर हल्ला

नवी दिल्ली: होर्मुझच्या सामुद्रधुनीतून जात असताना कुवेतचा ध्वज असलेल्या एका तेलवाहू जहाजावर अज्ञात वस्तूने हल्ला केला. या जहाजावर २१ भारतीय खलाशी होते. जहाजावरील सर्व कर्मचारी सुरक्षित असल्याची माहिती देण्यात आली आहे. केंद्रीय बंदरे, जहाजबांधणी आणि जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल यांनी या वृत्ताला दुजोरा दिला आहे. मध्यपूर्वेत सुरू असलेल्या युद्धाच्या पार्श्वभूमीवर बुधवारी, २१ ऑक्टोबर रोजी 'एमटी अल दसमा' या जहाजावर हा हल्ला झाला. सर्बानंद सोनोवाल यांनी समाजमाध्यमांवरील 'एक्स' या व्यासपीठावर पोस्ट करत या घटनेची माहिती दिली. त्यांनी म्हटले, '२१ ऑक्टोबर रोजी होर्मुझच्या सामुद्रधुनीतून जात असताना कुवेतचा ध्वज असलेल्या 'एमटी अल दसमा' या तेलवाहू जहाजावर अज्ञात वस्तूने हल्ला केला. या जहाजावरील २१ भारतीय खलाशांसह सर्व कर्मचारी पूर्णपणे सुरक्षित आहेत. 'सोनोवाल यांनी पुढे सांगितले की, अधिकारी



परिस्थितीवर लक्ष ठेवून आहेत. तसेच जहाजावरील कर्मचाऱ्यांची सुरक्षितता सुनिश्चित करण्यासाठी जहाज व्यवस्थापन कंपनीशी संपर्क साधण्यात आला आहे. युनायटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स (यूकेएमटीओ) या संस्थेने ओमानमधील बुखा येथून ११ सागरी मेल परिचमेला या घटनेची नोंद केली. मंत्रालयाने 'एमटी पेद्रो डॉल्फिन' या तेलवाहू जहाजाचाही उल्लेख केला. या जहाजावर ११ भारतीय खलाशी होते. सोहरच्या नागरस्थळाजवळ या जहाजावर झेनच्या साहाय्याने हल्ला करण्यात आल्याचे सांगण्यात आले आहे. यापूर्वी, ११ ऑक्टोबर रोजी होर्मुझच्या सामुद्रधुनीत व्यावसायिक जहाजांवर झालेल्या हल्ल्यांचा

भारताच्या परराष्ट्र मंत्रालयाने निषेध केला होता. मध्यपूर्वेत सुरू असलेल्या संघर्षाच्या पार्श्वभूमीवर व्यावसायिक जहाजे आणि खलाशांवर होणाऱ्या हल्ल्यांबाबत भारताने वारंवार चिंता व्यक्त केली आहे. भारतीय खलाशांशी संबंधित घटनांवर सरकार बारकाईने लक्ष ठेवून आहे. त्यांची सुरक्षितता आणि कल्याण सुनिश्चित करण्यासाठी जहाज व्यवस्थापन कंपन्यांशी सातत्याने संपर्क साधला जात असल्याचे सरकारने स्पष्ट केले आहे. तसेच, आंतरराष्ट्रीय सागरी मार्गांवरून होणारी व्यापाराची वाहतूक सुरक्षित आणि विनाअडथळा सुरू राहणे अत्यंत महत्त्वाचे असल्याचे भारत सरकारने पुन्हा अधोरेखित केले आहे.

सुरक्षेच्या कारणास्तव दिलजीत दोसांझच्या दिल्ली कॉन्सर्टला पोलिसांचा नकार

नवी दिल्ली: गायक दिलजीत दोसांझ त्याच्या आगामी 'ऑरा इंडिया टूर'मुळे चर्चेत आहे. या दौऱ्याची सुरुवात तो दिल्ली येथून करणार होता. मात्र, या दौऱ्याला मोठा धक्का बसला आहे. ३० ऑक्टोबर रोजी दिल्लीतील जवाहरलाल नेहरू स्टेडियममध्ये होणाऱ्या दिलजीत दोसांझच्या संगीत कार्यक्रमाला दिल्ली पोलिसांनी परवानगी नाकारली आहे. सुरक्षेच्या कारणास्तव पोलिसांनी हा निर्णय घेतला आहे. दक्षिण दिल्लीचे पोलीस उपायुक्त (डीसीपी) कार्यालयाने बुकमायशोला पाठवलेल्या पत्रानुसार, दिलजीतच्या 'ऑरा इंडिया टूर' अंतर्गत दिल्लीतील कार्यक्रम आयोजित करण्याच्या विनंतीचा आढावा घेण्यात आला. मात्र, या कार्यक्रमाला मंजुरी देता येणार नसल्याचे पत्रात स्पष्ट करण्यात आले आहे. या पत्रात संभाव्य धोक्यांशी संबंधित काही विशिष्ट माहितीचा उल्लेख करण्यात आला आहे. तसेच, सणासुदीच्या काळात सुरक्षा आणि कायदा-सुव्यवस्था राखण्याची जबाबदारी तसेच इतर चिंतांचाही उल्लेख करण्यात आला आहे. पोलिसांच्या या निर्णयामुळे दिलजीतच्या थेट संगीत



कार्यक्रमात सहभागी होण्यासाठी आतुरतेने वाट पाहणाऱ्या चाहत्यांना मोठा धक्का बसला आहे. कार्यक्रम आणि तिकिटांबाबतची अधिक माहिती अद्याप समोर आलेली नाही. यापूर्वी दिलजीत दोसांझ त्याच्या 'ऑरा वर्ल्ड टूर'मुळे चर्चेत होता. एप्रिल २०२६ मध्ये उत्तर अमेरिकेतून या दौऱ्याची सुरुवात झाली होती. या दौऱ्यादरम्यान त्याने प्रसिद्ध वेम्बली स्टेडियममध्येही सादरीकरण केले होते. हा कार्यक्रम विशेष चर्चेत राहिला. वेम्बली स्टेडियममध्ये प्रमुख कलाकार म्हणून सादरीकरण करणारा दिलजीत हा पहिला पंजाबी आणि भारतीय कलाकार ठरला. दिलजीत दोसांझ हा गायक असण्यासोबतच अभिनेता म्हणूनही ओळखला जातो. अलीकडेच तो पंजाबी चित्रपट 'सरदार जी ३'मध्ये दिसला होता. त्याआधी तो 'बॉर्डर २' या हिंदी चित्रपटात झळकला होता.

ट्रम्प यांचा अल्टिमेटम घेऊन मुनीर इराणमध्ये, रेजाई यांची कठोर भूमिका

तेहरान: इराणच्या नव्या सुरक्षा परिषदेचे प्रमुख मोहसेन रेजाई यांनी पाकिस्तानचे लष्करप्रमुख असीम मुनीर यांचे इराणमध्ये आगमन झाल्यानंतर अत्यंत थंडपणे स्वागत केले. त्यानंतर कथितरीत्या त्यांना 'आपल्या विमानात परत जा', असे सांगण्यात आल्याचा दावा केला जात आहे. वृत्तानुसार, मुनीर यांनी रेजाई यांच्याकडे अमेरिकेचे राष्ट्राध्यक्ष डोनाल्ड ट्रम्प यांचा अल्टिमेटम सुपूर्द केला. त्यात इराणने आपला संपूर्ण

अणुकार्यक्रम सोडून द्यावा, अशी मागणी करण्यात आली होती. वृत्तानुसार, मुनीर यांनी तेहरानला आपल्या अणुकार्यक्रमासंदर्भातील चर्चेत अधिक लवचीक भूमिका घेण्याची गरज असल्याचे सांगितले. यावर प्रत्युत्तर देताना इराणने अमेरिकेला आपल्या सात अटी मान्य कराव्या लागतील, असे मुनीर यांना स्पष्ट केले. या भेटीच्या व्हिडिओमध्ये रेजाई आणि मुनीर यांच्या देहबोलीवरून दोघांमधील चर्चा फारशी सकारात्मक



नसल्याचे दिसून येते. त्यांच्यातील संभाषण अत्यंत संक्षिप्त आणि औपचारिक होते. सहसा सौहार्दपूर्ण

राजनैतिक भेटीत दिसणारा जिद्दाळा या भेटीत जाणवला नाही. रेजाई यांची भूमिका संयमित

होती, तर संभाषणादरम्यान मुनीर त्यांच्याकडे झुकून बोलताना दिसले. उपलब्ध दृश्यफितीत दोघांनी बराच वेळ हस्तांदोलन केल्याचे किंवा एकमेकांची गळाभेट घेतल्याचे दिसत नाही. पाकिस्तानचे लष्करप्रमुख मुनीर यांनी इराणचे राष्ट्राध्यक्ष मसूद पेझिस्कियान आणि गालिबाफ यांच्याशीही उच्चस्तरीय चर्चा केली. गालिबाफ यांनी मुनीर यांना, 'इराणकडे सांगण्यासाठी आता काहीही नवीन नाही',

असे म्हटल्याचे सांगितले जाते. 'वृत्तानुसार, मुनीर यांनी रेजाई यांना आपण अमेरिकेच्या वतीने अंतिम इशारा घेऊन आल्याचे सांगितले. अमेरिकेच्या मागण्या मान्य न केल्यास इसणच्या अणुस्थळांवर मोठ्या प्रमाणावर हल्ला केला जाऊ शकतो, असा इशाराही त्यांनी दिला. या संभाव्य हल्ल्याच्या लक्ष्यांमध्ये 'पिर्कक्स माउंटन' (पिर्कक्स माउंटन) या ठिकाणाचाही समावेश असल्याचे वृत्तात म्हटले आहे. ट्रम्प यांचा हा अल्टिमेटम

घेऊन इराणमध्ये पोहोचलेल्या पाकिस्तानच्या लष्करप्रमुखांना इराणचे सुरक्षा प्रमुख मोहसेन रेजाई यांनी कठोर शब्दांत प्रत्युत्तर दिले. 'इराणमधील संबंधित अणुसामग्रीचा एक कणही देशाबाहेर जाणार नाही', असे त्यांनी स्पष्ट केले.तसेच, अमेरिकेने तेहरानने यापूर्वीच मांडलेल्या सात अटी मान्य करून विश्वासाचे वातावरण निर्माण केल्याशिवाय कोणतीही चर्चा होणार नाही, असेही रेजाई यांनी ठामपणे सांगितल्याचे वृत्त आहे.

दर्शकों के प्यार से मिला आत्मविश्वास - प्राजक्ता कोली

डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद फिल्मों तक पहुंचने वाली प्राजक्ता कोली के लिए उनके दर्शक सबसे बड़ी ताकत हैं। सोशल मीडिया पर लंबे समय से उनसे जुड़े लोगों का समर्थन उन्हें कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि बड़े फिल्मी सितारों के बीच काम करते समय भी आत्मविश्वास देता है। अभिनेत्री ने हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो ‘डबल डेट’ में अपने करियर और दर्शकों से मिले जुड़ाव पर खुलकर बात की।

प्राजक्ता ने बताया कि जब वह फिल्म ‘जुगजुग जिओ’ का हिस्सा बनीं, तब तक यह उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म थी। इस फिल्म में अनिल कपूर, नीतू कपूर, वरुण धवन और



कियारा आडवाणी जैसे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। इसके बावजूद उनके मन में यह चिंता नहीं थी कि सह-कलाकार उन्हें पसंद करेंगे या नहीं। उनकी सबसे बड़ी इच्छा थी कि सिनेमाघरों में टिकट खरीदकर फिल्म

देखने आने वाले दर्शकों को उनका काम पसंद आए। अभिनेत्री के मुताबिक, सोशल मीडिया पर उनकी अपनी कम्युनिटी होने से उन्हें एक अलग तरह का भरोसा मिलाता है। वह इस बात के लिए आभारी हैं कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोगों ने उनके काम को पसंद किया और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिला। यही जुड़ाव उन्हें फिल्मों में भी अपनी भूमिका को लेकर सहज महसूस करने में मदद करता है।

प्राजक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि दर्शकों का प्यार मिलने का मतलब दूसरे कलाकारों के योगदान को कम आंकना नहीं है। उनके लिए फिल्म की पूरी टीम और सभी सह-कलाकारों की अपनी अहमियत है। उन्होंने बताया कि

‘जुगजुग जिओ’ की शूटिंग के दौरान अनिल कपूर, नीतू कपूर, कियारा आडवाणी, करण जोहर, मनीष पॉल और वरुण धवन सहित सभी लोगों ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया। डिजिटल कंटेंट से अभिनय की दुनिया तक का उनका सफर इस बात का उदाहरण है कि दर्शकों के साथ बना मजबूत रिश्ता किसी कलाकार के करियर में कितनी अहम भूमिका निभा सकता है। प्राजक्ता के लिए सफलता सिर्फ बड़ी फिल्मों का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि उन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना भी है, जो लंबे समय से उन्हें फॉलो करते आ रहे हैं। अभिनेत्री का मानना है कि दर्शकों का भरोसा उनके लिए प्रेरणा का काम करता है।

सोनम बाजवा ने याद किया ‘एक दीवाने की दीवानियत’ का सफर

रोमांटिक ड्रामा फिल्म ‘एक दीवाने की दीवानियत’ को रिलीज हुए एक साल हो गया है। इस खास मौके पर अभिनेत्री सोनम बाजवा ने फिल्म की टीम के साथ बिताए पलों को याद किया और दर्शकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह निर्देशक मिलाप जावेरी, अभिनेता हर्षवर्धन राणे और फिल्म से जुड़े अन्य सदस्यों के साथ दिखाई दे रही हैं। सोनम ने अपने संदेश में बताया कि इस फिल्म में काम करना उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन इसके साथ कई यादगार और मनोरंजक पल भी जुड़े रहे। उन्होंने दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि फिल्म को मिले प्यार और सफलता के लिए वह हमेशा आभारी रहेंगी।

अभिनेत्री ने इस प्रोजेक्ट को अपने करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्मों में से एक बताया। उनके इस संदेश से साफ है कि फिल्म की शूटिंग और उससे जुड़े अनुभव उनके लिए खास महत्व रखते हैं। मिलाप जावेरी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सोनम बाजवा और हर्षवर्धन राणे पहली बार एक साथ बड़े पदों पर नजर आए थे। फिल्म की कहानी विक्रमादित्य भोसले और अदा के इर्द-गिर्द घूमती है। विक्रमादित्य एक प्रभावशाली



राजनेता का बेटा है, जिसे बचपन से अपनी हर इच्छा पूरी होने की आदत रही है। उसे मशहूर अभिनेत्री अदा से पहली नजर में प्यार हो जाता है और वह उससे शादी करना चाहता है। हालांकि, अदा उसके एकतरफा प्यार और दबाव को स्वीकार नहीं करती। इसके बाद कहानी में रोमांस की जगह जुनून, असहमति और टकराव बढ़ने लगता है। फिल्म रिश्तों में सहमति और किसी की इच्छा के विरुद्ध प्यार थोपने के परिणामों को भी सामने लाती है।

रिलीज के बाद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया। फिल्म के गानों को भी श्रोताओं के बीच पसंद किया गया। इसके सह-निर्माता राघव शर्मा हैं, जबकि इसकी कहानी मुश्ताक शेख और मिलाप जावेरी ने मिलकर लिखी है। फिल्म का निर्माण देसी म्यूजिक फैक्ट्री के बैनर के तहत किया गया। एक साल पूरे होने पर सोनम बाजवा का संदेश फिल्म से जुड़ी यादों को फिर चर्चा में ले आया है।

हर पेशे को एक नजर से देखना सही नहीं – दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता का मानना है कि किसी भी व्यक्ति को उसके पेशे के आधार पर सही या गलत ठहराना उचित नहीं है। हर क्षेत्र में अलग-अलग सोच और व्यवहार वाले लोग होते हैं। ऐसे में कुछ लोगों की गलतियों के कारण पूरे पेशे से जुड़े लोगों को एक ही नजर से देखना ठीक नहीं है।

दिव्या ने अभिनेता मनोज बाजपेयी की इस सोच का समर्थन करते हुए लोगों के नकारात्मक नज़रिए पर भी बात की है। बातचीत में दिव्या ने कहा कि मनोज बाजपेयी ने अपनी बात सही तरीके से रखी है। किसी व्यक्ति को समझे बिना उसके बारे

में राय बना लेना उचित नहीं है, क्योंकि हर इंसान का सोचने और दूसरों को देखने का नज़रिया अलग होता है।

दिव्या ने यह भी कहा कि लोगों की आदत अक्सर नकारात्मक बातों पर जल्दी ध्यान देने की होती है। सकारात्मक चीजें सामने होने के बावजूद उन्हें कई बार नजरअंदाज कर दिया जाता है। उनके मुताबिक, हर पेशे में अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग मिलते हैं, इसलिए किसी एक व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर पूरे क्षेत्र के बारे में धारणा नहीं बनानी चाहिए।

दरअसल, मनोज बाजपेयी ने हाल



ही में आईएनएस के साथ बातचीत में पुलिस और पेशेवर जिम्मेदारियों को लेकर अपनी राय रखी थी। टाइगर श्रॉफ पर हुए फायरिंग

हमले और मुंबई-दिल्ली में सीजेपी विरोध प्रदर्शनों के बाद पुलिस की आलोचना के संदर्भ में उन्होंने कहा था कि कुछ लोगों की वजह से पूरे पेशे की छवि खराब नहीं होनी चाहिए।

मनोज के अनुसार, हर पेशे में ऐसे लोग होते हैं जो अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाते हैं, जबकि कुछ लोग अपने पद का गलत इस्तेमाल भी करते हैं। इसलिए सभी को एक ही नजर से देखना सही नहीं है।

दिव्या दत्ता ने भी इसी विचार से सहमति जताई है। काम की बात करें तो मनोज बाजपेयी और दिव्या दत्ता जल्द

ही फिल्म ‘गजब रात’ में एक साथ नजर आएंगे। इस फिल्म का नाम पहले ‘घूसखोर पंडित’ रखा गया था, लेकिन शीर्षक को लेकर विवाद होने के बाद इसे बदलकर ‘गजब रात’ कर दिया गया। फिल्म का निर्देशन रितेश शाह ने किया है, जबकि इसका निर्माण नीरज पांडे के प्रोडक्शन हाउस ‘फ्राइडे स्टोरीटेलर्स’ ने किया है। यह फिल्म 23 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। दोनों कलाकारों की यह फिल्म रिलीज से पहले ही अपने बदले हुए नाम और उससे जुड़े विवाद को लेकर चर्चा में रही है।

ज्यादा कोल्ड ड्रिंक पीना सेहत के लिए क्यों है नुकसानदायक?

कोल्ड ड्रिंक का सेवन आजकल बच्चों से लेकर बड़ों तक में काफी आम हो गया है। गर्मी हो या पार्टी, लोग अक्सर ठंडक और ताजगी के लिए कोल्ड ड्रिंक पीना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका ज्यादा सेवन शरीर में चीनी और कैलोरी की मात्रा बढ़ा सकता है? कई कोल्ड ड्रिंक में अधिक मात्रा में चीनी, फ्लेवर और अन्य खाद्य योजक मौजूद होते हैं। ऐसे में नियमित रूप से कोल्ड ड्रिंक पीने वालों के लिए यह समझना जरूरी है कि इसमें क्या-क्या मिलाया जाता है और इसका सेवन करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कोल्ड ड्रिंक मुख्य रूप से पानी में कार्बन डाइऑक्साइड गैस मिलाकर तैयार की जाती है। इसी गैस के कारण बोतल या कैन खोलते समय बुलबुले और झाग दिखाई देते हैं। इसके अलावा, उत्पाद के प्रकार के अनुसार इसमें चीनी या मिठास देने वाले दूसरे पदार्थ, अलग-अलग



अलग फ्लेवर, रंग और खाद्य योजक भी मिलाए जा सकते हैं। कई सामान्य कोल्ड ड्रिंक में मुक्त शर्करा यानी ऐसी चीनी, जिसे निर्माण के दौरान पेय में मिलाया जाता है, काफी मात्रा में मौजूद होती है। इसका अधिक सेवन रोजाना की कुल चीनी और कैलोरी बढ़ा सकता है। इसलिए कोल्ड ड्रिंक खरीदते समय उसकी बोतल या कैन पर दिए गए पोषण संबंधी लेबल को पढ़ना और उसमें मौजूद चीनी व कैफीन की मात्रा की जानकारी लेना जरूरी है।

हैं। मीठे पेय का नियमित और ज्यादा सेवन कुल चीनी की मात्रा बढ़ा सकता है, इसलिए इन्हें रोज की आदत बनाने से बचना बेहतर है। कुछ पेय में चीनी की जगह गैर-चीनी मिठास देने वाले पदार्थ इस्तेमाल किए जाते हैं। लेकिन केवल ‘शुगर-फ्री’ या ‘जिरो-शुगर’ लिखा होना इसे पौष्टिक पेय नहीं बनाता। संतुलित आहार में पानी को प्राथमिक पेय रखना बेहतर है।

बच्चों में मीठे पेय की आदत कुल चीनी की मात्रा बढ़ा सकती है। WHO दो साल से कम उम्र के बच्चों को चीनी वाले पेय न देने की सलाह देता है। बड़े बच्चों में भी इनका सेवन सीमित रखना बेहतर है। कभी-कभार सीमित मात्रा में पीने और रोजाना कई बार पीने में फर्क है। स्वास्थ्य के लिहाज से पानी और बिना चीनी वाले पौष्टिक पेय बेहतर विकल्प हैं।

कोल्ड ड्रिंक लेते समय मात्रा, चीनी और कैफीन की जानकारी के लिए लेबल जरूर देखें।

बुजुर्गों की सेहत के लिए प्रोटीन, कैल्शियम और फाइबर जरूरी

उम्र बढ़ने के साथ शरीर की जरूरतें बदलने लगती हैं। ऐसे में कई बुजुर्ग पहले की तुलना में खाना कम खाने लगते हैं। कभी भूख कम लगती है, कभी दांतों का कमजोर होना या निगलने की समस्या के कारण खाना कम हो जाता है। कई बार बीमारी या दवाओं के असर से भी भूख कम होने लगती है। ऐसे में अगर रोज की थाली सिर्फ चाय-बिस्कुट, खिचड़ी या एक रोटी-सब्जी तक सीमित हो जाए तो शरीर को पर्याप्त पोषण मिलना मुश्किल हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन भी मानता है कि उम्र बढ़ने पर शारीरिक गतिविधि और शरीर के लिए पर्याप्त पोषक तत्व और प्रोटीन जरूरी होता है।

उम्र बढ़े, लेकिन पोषण न घटे

उम्र के साथ शरीर में मांसपेशियों की मात्रा कम होने लगती है। अगर खाना भी कम हो जाए और प्रोटीन पर्याप्त न मिले तो कमजोरी और मांसपेशियों में कमी होने लगती है। WHO के अनुसार बुजुर्गों में कम प्रोटीन का सेवन मांसपेशियों की कमजोरी, हड्डियों से जुड़ी समस्या और इम्यून सिस्टम पर असर डालता है। इसलिए बुजुर्गों की थाली में सिर्फ पेट भरने वाला खाना नहीं, बल्कि प्रोटीन से भरपूर भोजन होना जरूरी है।

प्रोटीन पर दें ज्यादा ध्यान

स्वस्थ बुजुर्ग के शरीर में प्रति किलोग्राम वजन के हिसाब से करीब 1.0-1.2 ग्राम



प्रोटीन रोजाना लेने की सलाह दी गई है। बीमारी, चोट या वजन कम होने के बाद कुछ लोगों को 1.5 ग्राम प्रति किलो तक हो सकती है। किडनी की बीमारी वाले व्यक्ति बिना चिकित्सकीय सलाह के ज्यादा प्रोटीन न लें। उदाहरण के लिए, 60 किलो वजन वाले स्वस्थ बुजुर्ग के लिए यह करीब 60–72 ग्राम प्रोटीन प्रतिदिन हो सकता है। यह एक सामान्य मार्गदर्शक मात्रा है, हर व्यक्ति की जरूरत अलग हो सकती है।

हर भोजन में थोड़ा प्रोटीन जोड़ें

बुजुर्गों के लिए एक साथ बहुत ज्यादा खाना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में पूरे दिन के भोजन में प्रोटीन को थोड़ा-थोड़ा बांटना फायदेमंद हो सकता है। नाश्ते में दूध, दही, पनीर या अंडा लिया जा सकता है। दोपहर में दाल, राजमा, चना, सोया या पनीर को शामिल करें। शाम के नाश्ते में दही, दूध या मुट्ठी भर नट्स दिए जा सकते हैं। रात के खाने में दाल, खिचड़ी के साथ

दही या पनीर जैसी चीजें जोड़ी जानी चाहिए।

रोटी कम खा पाएं तो पोषण कैसे बढ़ाएं?

अगर किसी बुजुर्ग को चबाने या निगलने में परेशानी है, तो सिर्फ रोटी की संख्या बढ़ाने पर जोर न दें। खाना नरम और आसानी से निगलने लायक बनाएं। दाल और सब्जियों को अच्छी तरह पकाकर नरम करके खाना चाहिए। खिचड़ी में दाल और सब्जियों की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। जरूरत के अनुसार पनीर, दही या सोया भी मील का हिस्सा हो सकता है।

कैल्शियम और विटामिन डी भी जरूरी

उम्र बढ़ने पर हड्डियों की मजबूती बनाए रखना सबसे जरूरी है। दूध, दही और पनीर जैसे खाद्य पदार्थ कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं। विटामिन डी शरीर में कैल्शियम के इस्तेमाल और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

फाइबर और पानी

को न करें नजरअंदाज

बुजुर्गों की थाली में सब्जियां, फल, तरह-तरह की दालें और साबुत अनाज जैसे फाइबर वाले खाद्य पदार्थ शामिल करें। इसके लिए साबुत अनाज, फल, सब्जियां और दालों को प्रमुखता दें। साथ ही पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है। उम्र बढ़ने पर प्यास का एहसास कम हो सकता है, इसलिए सिर्फ प्यास लगने का इंतजार न करें।

बुरी आदत है नशे की लत, सही इलाज से संभव है नई शुरुआत

कई लोग नशे की लत से परेशान हैं, वो छोड़ना तो चाहते हैं, लेकिन उन्हें इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में पता नहीं है। नशे की लत को सिर्फ एक बुरी आदत मानकर नजरअंदाज करना समस्या को और बढ़ा सकता है। शराब, तंबाकू या दूसरे नशीले पदार्थों का इस्तेमाल शरीर के साथ-साथ व्यक्ति के व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है।

ऐसे लोगों के लिए नशा छोड़ने का निर्णय लेना पहला कदम है। ऐसे में नशा छोड़ने का फैसला लेना पहला कदम होता है, लेकिन इसे पूरी तरह छोड़ने के लिए सही इलाज, काउंसलिंग, फैमिली सपोर्ट और रिहैबिलिटेशन की जरूरत पड़ती है।

भारत में सरकार की डि-एडिक्शन व्यवस्था के तहत नशे की समस्या से जुड़ा रहे लोगों के लिए इलाज और पुनर्वास की व्यवस्था कराई जाती है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में ड्रग ट्रीटमेंट क्लीनिक और

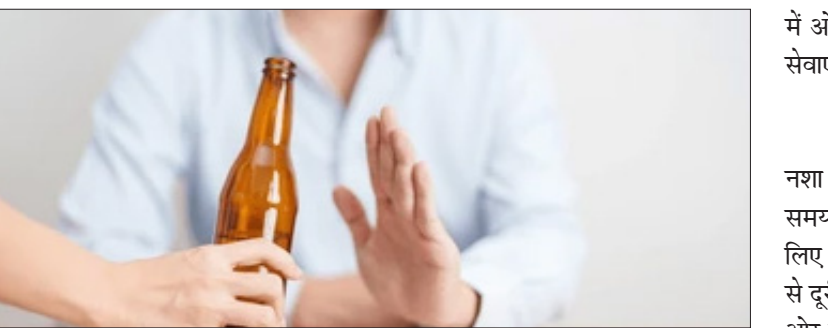
डि-एडिक्शन सेंटर के जरिए उपचार की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

नशे की लत से बाहर निकलने का पहला कदम

सबसे पहले व्यक्ति को यह स्वीकार करना जरूरी है कि नशे के इस्तेमाल से उसके जीवन पर असर पड़ रहा है। बार-बार छोड़ने की कोशिश के बावजूद दोबारा नशा करना, परिवार या काम पर असर पड़ना और सेहत का नुकसान होने के बावजूद नशे का सेवन जारी रखने, जैसे लक्षणों पर विशेषज्ञ से बात करनी चाहिए। साथ ही ऐसी इस स्थिति में खुद को दोष देने के बजाय डॉक्टर या एडिक्शन विशेषज्ञ से मदद लेना ज्यादा उपयोगी रहेगा।

डी-एडिक्शन में क्या होता है?

डी-एडिक्शन का मतलब केवल नशा बंद कर देना नहीं है। उपचार व्यक्ति की स्थिति और उसके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नशीले पदार्थों के सेवन के आधार पर अलग हो सकता है। इसमें चिकित्सकीय जांच,



जरूरत के अनुसार दवाएं, काउंसलिंग और व्यवहार से जुड़े उपचार शामिल होते हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की मानक उपचार व्यवस्था में शराब पर निर्भरता के लिए भी अलग उपचार उपलब्ध हैं।

क्या नशा अचानक छोड़ देना चाहिए?

यह बात हर व्यक्ति के लिए सटीक नहीं बैठती है। खासकर लंबे समय से शराब या कुछ अन्य नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति में अचानक सेवन बंद

में ओपीडी, इनपैशेंट और फॉलो-अप जैसी सेवाएं भी मौजूद हैं।

नशा छोड़ने के बाद दोबारा लत से कैसे बचें?

नशा छोड़ने के बाद सबसे बड़ी चुनौती लंबे समय तक उससे दूर रहना होता है। इसके लिए व्यक्ति को उन परिस्थिति और लोगों से दूरी बनानी जरूरी है, जो दोबारा नशे की ओर ले जा सकते हैं। इसके साथ नियमित काउंसलिंग, परिवार का सहयोग, स्वस्थ दिनचर्या और समय-समय पर फॉलो-अप के लिए डॉक्टर से मिलते रहना।

अगर बीच में दोबारा किसी वजह से नशा हो जाए तो इसे पूरी कोशिश की असफलता मानकर इलाज को बीच में छोड़ना सही नहीं है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर या काउंसलर से दोबारा संपर्क करना जरूरी है।

परिवार की भूमिका भी है बेहद अहम

नशे की समस्या से जुड़ा रहे व्यक्ति को लगातार ताने देना या शर्मिंदा करना उसके

सिचुएशन को और भी मुश्किल बना सकता है। परिवार को समस्या को समझने, इलाज के लिए प्रोत्साहित करने और उपचार के दौरान सपोर्ट देने की कोशिश करनी चाहिए।

कई डि-एडिक्शन सेंटर में परिवार की भी काउंसलिंग की जाती है।

नशे की लत का इलाज कहाँ कराया जा सकता है?

भारत में सरकारी अस्पतालों और डि-एडिक्शन सेवाओं के जरिए उपचार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर (एनडीडीटीसी), एम्स, नई दिल्ली प्रमुख संस्थान हैं और देश के अलग-अलग हिस्सों में ड्रग ट्रीटमेंट क्लीनिक भी संचालित किए जाते हैं।

बता दें कि किसी प्राइवेट रिहैब सेंटर में डॉक्टरों परामर्श लेने या इलाज शुरू करने से पहले उसकी चिकित्सकीय सुविधाएं, योग्य विशेषज्ञ, इलाज का तरीका और मान्यता से जुड़ी जानकारी जरूर जांचनी चाहिए।

बॉक्स में मिले युवक के शव का खुलासा पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की थी हत्या

संवाददाता
उन्नाव, उत्तर प्रदेश। रायबरेली-उन्नाव हाईवे पर लोहे के बॉक्स में मिले युवक के शव के मामले का पुलिस ने खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, मृतक सोनू (30) की हत्या उसकी पत्नी नेहा (42) ने पड़ोसी किरायेदार जितेंद्र (42) के साथ मिलकर की थी। हत्या के बाद शव को चादर और कंबल में लपेटकर लोहे के बॉक्स में बंद किया गया और पिकअप वाहन से हाईवे किनारे फेंक दिया गया। पुलिस के मुताबिक, नेहा और जितेंद्र के बीच प्रेम संबंध थे। इसी को लेकर नेहा और सोनू के बीच अक्सर विवाद होता था। जांच में सामने आया कि दोनों ने मिलकर सोनू को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात करीब 8 बजे सोनू की हत्या की गई। इसके बाद शव को बॉक्स में रखकर पिकअप में लोड किया गया और रायबरेली-उन्नाव हाईवे किनारे छोड़ दिया गया। वारदात के बाद आरोपी वापस घर लौट आए। मंगलवार रात करीब 10 बजे सदर कोतवाली पुलिस को हाईवे पर हेल्थ हॉस्पिटल के सामने सड़क किनारे संदिग्ध बॉक्स पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस ने बॉक्स खोला तो



उसमें चादर और कंबल में लिपटा खून से लथपथ युवक का शव मिला। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में एक छोटा हाथी लोडर गदनखेड़ा की ओर से बॉक्स लेकर आता और कुछ देर बाद बिना बॉक्स के कानपुर की ओर जाता दिखाई दिया। पुलिस ने एनपीआर कैमरों की मदद से वाहन का नंबर UP 35 AT 1938 ट्रेस किया। जांच में वाहन राजेश गुप्ता के नाम पर पंजीकृत मिला। इसके बाद पुलिस ने वाहन और उससे जुड़े लोगों की जानकारी जुटाई। जांच में सामने आया कि 20 अक्टूबर को नेहा

ने किराये का कमरा खाली करने और सामान दूसरी जगह पहुंचाने के लिए 1,200 रुपये में पिकअप वाहन तय किया था। पुलिस का दावा है कि पृष्ठताछ के दौरान नेहा ने जितेंद्र के साथ मिलकर पति की हत्या करने की बात स्वीकार की। शव को ठिकाने लगाने में तौहीद (34) और एक किशोर की भूमिका भी सामने आई। पुलिस ने बुधवार सुबह नेहा, जितेंद्र और तौहीद को गिरफ्तार कर लिया, जबकि किशोर को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अब हत्या की पूरी साजिश, वारदात में इस्तेमाल सामान और अन्य संभावित सबूतों की जांच कर रही है।

चुनाव नजदीक आते ही सपा को याद आया तुष्टीकरण, विनोद तावड़े का अखिलेश यादव पर तीखा हमला

संवाददाता
लखनऊ, उत्तर प्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से तावड़े ने आरोप लगाया कि चुनाव नजदीक आते ही समाजवादी पार्टी तुष्टीकरण की राजनीति और अराजकता फैलाने वाले नेताओं के समर्थन में सक्रिय हो गई है। तावड़े ने जेल में बंद पार्टी नेताओं से अखिलेश यादव की मुलाकात पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे समाजवादी पार्टी की राजनीतिक प्राथमिकाएं स्पष्ट होती हैं। भाजपा नेता ने उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसके शासनकाल में पंचायती राज प्रवेश सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में दंगों और अराजकता का माहौल रहा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन समाजवादी पार्टी की राजनीति प्रदेश को फिर से पुराने दौर की ओर ले जाने वाली है। विनोद तावड़े ने अपनी पोस्ट में सपा नेता आजम खान का उल्लेख करते



हुए उन्हें गृह मंत्री बनाए जाने की कथित मंशा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी ऐसे नेताओं को राजनीतिक महत्व दे रही है, जिनकी भूमिका को लेकर भाजपा पहले से सवाल उठाती रही है। हालांकि, आजम खान को गृह मंत्री बनाने संबंधी किसी औपचारिक निर्णय या घोषणा का विवरण तावड़े के बयान में सामने नहीं आया है तावड़े ने समाजवादी पार्टी के पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक राजनीतिक समीकरण पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि सपा की राजनीति जनता को स्वीकार नहीं होगी और उसका पीडीए के सहारे राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने का सपना पूरा नहीं होगा। भाजपा नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता विकास और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है।

संघर्ष सेवा समिति कार्यालय में मना महेश अग्रवाल का जन्मदिन



देवेश प्रताप सिंह राठौर
झांसी, उत्तर प्रदेश। मित्रता केवल साथ रहने का नाम नहीं, बल्कि जीवन के हर सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ खड़े रहने और रिश्तों को दिल से निभाने का नाम है। ऐसी ही आत्मीय मित्रता की झलक उस समय देखने को मिली, जब महेश अग्रवाल उर्फ बल्ले का जन्मदिन संघर्ष सेवा समिति कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महेश अग्रवाल और संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी की मित्रता बचपन से चली आ रही है। वर्षों पुरानी इस दोस्ती में दोनों एक-दूसरे के पारिवारिक, सामाजिक और संघर्ष सेवा समिति के निदेश पर मतदाता सूची में गड़बड़ी की जांच कर रहे हैं। जन्मदिन के अवसर पर महेश अग्रवाल संघर्ष सेवा समिति कार्यालय

पहुंचे, जहां केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान तिलक लगाकर और माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया गया। उपस्थित लोगों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ, सुखद और उज्ज्वल जीवन की कामना की। समिति कार्यालय में डॉ. संदीप सरावगी से जुड़े मित्र और शुभचिंतक अपने विशेष अवसरों को साथ मिलकर मनाते रहे हैं। इसी परंपरा के तहत जन्मदिन का यह आयोजन भी आपसी प्रेम, मित्रता और सामाजिक जुड़ाव का प्रतीक बना। इस अवसर पर राम अग्रवाल, नवीन, वृजेश निगम, राजू सेन, सुशांत गेड़ा, आनंद, बसंत गुप्ता, संदीप नामदेव, अनुज सिंह, लखन श्रीवास्तव और अमित सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संवाददाता
भोपाल/ मुंबई। मध्यप्रदेश सरकार राज्य को रसायन और पेट्रोकेमिकल उद्योग के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को मुंबई में आयोजित इंडिया केम-2026 के उद्घाटन सत्र में देश-विदेश के निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पेट्रोकेमिकल्स, उर्वरक, दवाइयों और विभिन्न प्रकार के रसायनों के निर्माण की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार निवेशकों को आवश्यक सुविधाएं, सहयोग और उद्योग अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2040 तक देश के रसायन और उर्वरक क्षेत्र से जुड़े कारोबार को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के राष्ट्रीय लक्ष्य में मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने उद्योगपतियों को वर्ष 2027 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भी शामिल होने का न्योता दिया। डॉ. यादव ने सागर जिले के बीना को पेट्रोकेमिकल उद्योग के साथ केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि यहां



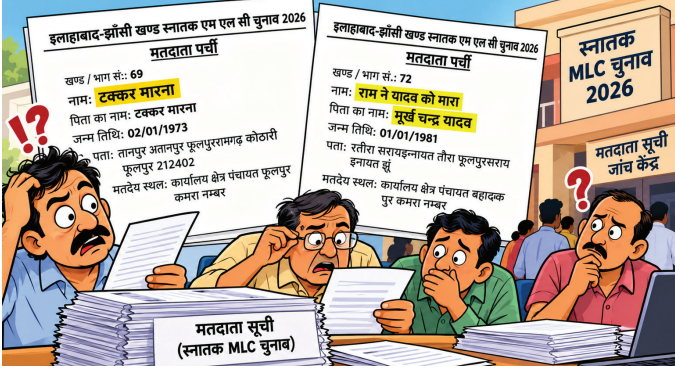
करीब 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल परियोजना की आधारशिला रखी जा चुकी है। इससे हर साल 22 लाख टन से अधिक पेट्रोकेमिकल उत्पाद तैयार होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एथिलीन क्रैकर और रिफाइनरी विस्तार परियोजना से प्लास्टिक, पैकेजिंग, फार्मा और ऑटोमोबाइल उद्योगों को कच्चा माल उपलब्ध कराने के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने इंडियन ऑयल, रिलायंस और हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स जैसी कंपनियों से बीना के आसपास पॉलिमर प्रसंस्करण और वितरण से जुड़ी इकाइयां स्थापित करने की संभावनाएं तलाशने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि रायसेन जिले के तामोटे में 121 एकड़ और ग्वालियर के बिलौआ में 93 एकड़ क्षेत्र में प्लास्टिक पार्क विकसित किए गए हैं। इन परियोजनाओं से बड़े उद्योगों के साथ छोटे और मध्यम उद्यमों को भी अवसर मिलने की उम्मीद है। उन्होंने धार में विकसित हो रहे पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क का जिक्र करते हुए कहा कि इससे वस्त्र उद्योग के साथ रसायन, पॉलिमर और सहायक उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। विजयपुर में गेल के

स्नातक MLC चुनाव की मतदाता सूची में अजब-गजब गड़बड़ी, कहीं नाम ‘राम ने यादव को मारा’ तो कहीं पिता का नाम ‘मूर्ख चंद्र यादव’

संवाददाता
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश। इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक एमएलसी चुनाव की मतदाता सूची में कई चौंकाने वाली टंकण त्रुटियां सामने आई हैं। कहीं मतदाता का नाम ‘राम ने यादव को मारा’ दर्ज हो गया, तो कहीं पिता का नाम ‘मूर्ख चंद्र यादव’ लिखा मिला। एक अन्य सूची में मतदाता का नाम रवि शर्मा और पिता का नाम ‘राम ने शर्मा को मारा’ दर्ज पाया गया। ऐसी मतदाता पंक्तियों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया। आज यानी शुक्रवार को होने वाले मतदान से पहले विभिन्न मतदेय स्थलों की मतदाता पंक्तियों में नामों की गड़बड़ी सामने आई। कार्यालय क्षेत्र पंचायत फूलपुर के एक मतदेय स्थल की मतदाता पंची में मतदाता और उसके पिता के नाम की जगह ‘टक्कर मारना’ लिखा मिला। वहीं कार्यालय क्षेत्र पंचायत बहादुरपुर की एक पंची में मतदाता का नाम ‘राम ने यादव को मारा’ और पिता का नाम ‘मूर्ख चंद्र यादव’ दर्ज था। सोशल मीडिया पर ऐसी पंक्तियां

इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में करीब 30 टंकण त्रुटियां सामने आईं; रिटर्निंग ऑफिसर के निर्देश पर सूची दुरुस्त



वायरल होते ही लोग इन्हें तेजी से साझा करने लगे। बताया गया कि इस तरह की अधिकांश गड़बड़ियां प्रयागराज जनपद से संबंधित हैं। इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर एवं कार्यालय क्षेत्र पंचायत बहादुरपुर की एक पंची में मतदाता का नाम ‘राम ने यादव को मारा’ और पिता का नाम ‘मूर्ख चंद्र यादव’ दर्ज था। सोशल मीडिया पर ऐसी पंक्तियां

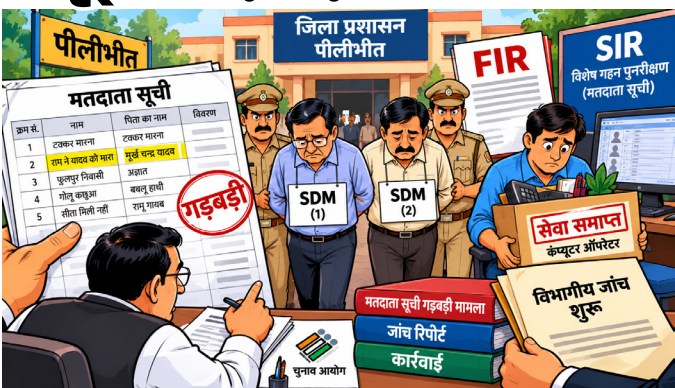
सूची को तत्काल शुद्ध करा लिया गया है। रिटर्निंग ऑफिसर ने यह भी स्पष्ट किया कि लिपिकीय या टंकण त्रुटि के कारण किसी भी मतदाता को उसके मताधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा। निर्वाचन क्षेत्र के सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित किए जा रहे हैं और मतदाता सूची में नाम संबंधी किसी भी शिकायत को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए हैं।

पीलीभीत मतदाता सूची गड़बड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई, दो SDM पर FIR

एसआईआर के दौरान लापरवाही का आरोप; कंप्यूटर ऑपरेटर की सेवा समाप्त, दोनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू

संवाददाता
पीलीभीत, उत्तर प्रदेश। सदर विधानसभा सीट की मतदाता सूची में गड़बड़ी के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। बृहस्पतिवार को दो उप जिलाधिकारियों मयंक गोस्वामी और गंभीर

हेमंत चौधरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इस मामले में एक कंप्यूटर ऑपरेटर अनिल कुमार को भी आरोपी बनाया गया है। सहायक निर्वाचन अधिकारी की तहरीर पर कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज किया गया है। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने कार्रवाई की जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर मतदाता सूची में गड़बड़ी की शिकायतों की जांच कराई गई थी। प्राथमिक जांच में पूरनपुर के एसडीएम मयंक गोस्वामी और अमरिया के एसडीएम हेमंत चौधरी को गंभीर



लापरवाही का दोषी माना गया। दोनों अधिकारी विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)

के दौरान निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ERO) के रूप में तैनात थे। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को दोनों एसडीएम को पद से हटाकर जिला मुख्यालय से संबद्ध कर दिया था। वहीं चौधरी को कंप्यूटर ऑपरेटर अनिल कुमार की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। दोनों एसडीएम के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। इस बीच मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लेकर सपा और कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल रखा है। कांग्रेस नेता कुमुद गंगवार ने 13 हजार से अधिक वोटों में गड़बड़ी और

कुल 16 हजार से ज्यादा वोटों में हेरफेर (ERO) के रूप में तैनात थे। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को दोनों एसडीएम को पद से हटाकर जिला मुख्यालय से संबद्ध कर दिया था। वहीं चौधरी को कंप्यूटर ऑपरेटर अनिल कुमार की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। दोनों एसडीएम के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। इस बीच मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लेकर सपा और कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल रखा है। कांग्रेस नेता कुमुद गंगवार ने 13 हजार से अधिक वोटों में गड़बड़ी और

लागूया कि प्रशासनिक अधिकारियों ने सत्ता पक्ष के दबाव में काम किया। सपा नेताओं का दावा है कि एसआईआर के बाद भी मतदाताओं के EPIC नंबरों में बदलाव किए गए, जिससे लोगों को मताधिकार से वंचित करने की आशंका पैदा हुई। उन्होंने पूरी मतदाता सूची की जांच कर गड़बड़ियों को दुरुस्त करने की मांग की है। दोनों दलों के आरोपों और प्रशासनिक कार्रवाई के बाद पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची का मामला अब राजनीतिक रूप से भी गर्मा गया है।

झाबुआ में कुएं से मिले तीन मासूमों के शव, मौत के कारणों पर सस्पेंस

संवाददाता
झाबुआ। जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर राणापुर विकासखंड के ग्राम चुई के पटेल फ्लिया में कुएं से तीन मासूम बच्चों के शव मिलने से पूरे क्षेत्र में शोक और सनसनी फैल गई। एक साथ तीन बच्चों की मौत से गांव में मातम पसरा है, वहीं घटना की परिस्थितियों को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मृत बच्चों की पहचान विवेक (9) पुत्र महेश राठौड़, मयंक (8) पुत्र शैलेश चौहान और विजय (9) पुत्र बाबू चंगोड़ के रूप में हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। कुएं से शव बाहर निकाले जाने के दौरान उनकी स्थिति देखकर ग्रामीणों में चिंता और संदेह बढ़ गया। गांव में कुछ लोगों ने बलि की आशंका भी जताई, लेकिन पुलिस के अनुसार फिलहाल ऐसी किसी आशंका की पुष्टि करने वाला कोई ठोस तथ्य सामने नहीं आया है। बच्चों की मौत दुर्घटना है या इसके पीछे कोई अन्य कारण, इसका खुलासा जांच और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। तीनों बच्चों के शव निकालने के लिए करीब

चार घंटे तक मशकत करनी पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। बच्चों को खोने वाले परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। सूचना मिलने पर तहसीलदार राजेंद्र चौहान और थाना प्रभारी श्रीराम मंडलोई पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करवाई। बाद में तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। थाना प्रभारी श्रीराम मंडलोई के अनुसार, तीनों बच्चों का पोस्टमार्टम कराया गया है और विसरा सुरक्षित कर प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पोस्टमार्टम और विसरा रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश डामोर ने घटना की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि तीन बच्चों की एक साथ मौत बेहद गंभीर मामला है और हर पहलू की बारीकी से जांच होनी चाहिए। घटना की जानकारी मिलने पर झाबुआ विधायक डॉ. विक्रान्त भूरिया भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर सांत्वना दी और अधिकारियों से घटना

ग्रामीणों में बलि की आशंका की चर्चा, पुलिस ने बताया अणुध, पोस्टमार्टम और विसरा रिपोर्ट से होगा खुलासा



की निष्पक्ष जांच कर मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने पर जोर दिया। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। फिलहाल पुलिस घटनास्थल, बच्चों की गतिविधियों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। घटना के बाद प्रशासन ने मृतक बच्चों के परिवारों को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई है। झाबुआ एंजडीएम महेश मंडलोई की ओर से प्रत्येक मृतक बच्चे के परिजन को चार-चार लाख रुपये की

तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। तीन मासूमों की एक साथ मौत से चुई गांव ही नहीं, आसपास का पूरा क्षेत्र गहरे सदमे में है। परिजनों के सामने अपने बच्चों को खोने का असहनीय दुख है, वहीं ग्रामीणों के मन में घटना को लेकर कई सवाल बने हुए हैं। फिलहाल सभी की निगाहें पोस्टमार्टम रिपोर्ट, विसरा जांच और पुलिस की आगे की जांच पर टिकी हैं। इन रिपोर्टों के सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि तीनों बच्चों की मौत महज हादसा थी या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी।

लकड़ी के बुरादे की बोरियों में छिपाकर बिहार ले जाई जा रही 2 करोड़ की शराब बरामद

संवाददाता
चंदौली, उत्तर प्रदेश। बलुआ पुलिस और स्वाट टीम ने गंगा नदी पर बलुआ पुल के पास वाहन चेकिंग के दौरान शराब तस्करी के बड़े मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने ट्रक से बिहार ले जाई जा रही करीब दो करोड़ रुपये की अंग्रेजी शराब बरामद की है। ट्रक में कुल 1200 पेटी शराब लदी थी। मामले में चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीओ सकलडीहा कृष्ण मुरारी शर्मा ने बताया कि बुधवार को बलुआ थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, स्वाट टीम प्रभारी रामजनम यादव और सर्विलांस सेल प्रभारी आशीष मिश्र के नेतृत्व में संयुक्त टीम वाराणसी से बिहार जाने वाले मार्ग पर बलुआ पुल के पास वाहन को जांच कर रही थी। इसी दौरान चंदौली की ओर से आ रहे एक ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। पुलिस को देखकर ट्रक से उतरकर दो लोग भागने लगे, जिन्हें टीम ने पकड़ लिया। तलाशी के दौरान, ट्रक के पिछले हिस्से में प्लास्टिक की बोरियों में भरे लकड़ी के बुरादे में छिपाकर दो बोरियों रखी शराब बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, ट्रक से कुल 11,408.76 लीटर अंग्रेजी

चंदौली में बलुआ पुलिस और स्वाट टीम की कार्रवाई: 1200 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार



शराब, जो 1200 पेटियों में भरी थी, बरामद की गई। इसकी अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हिमाचल प्रदेश निवासी लताश (34) और पंजाब के मोहाली जिले के निवासी विरेंद्र (35) के रूप में हुई है। उनके पास से एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 3700 रुपये नकद, पर्स, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य सामान बरामद किया गया। पृष्ठताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने चंडीगढ़ के पास एक अज्ञात व्यक्ति से शराब लदा ट्रक लिया था

और उसे बिहार पहुंचाना था। वहां शराब ऊंचे दामों पर बेचने की योजना थी। इसके बदले दोनों को एक लाख रुपये देने का लालच दिया गया था। पुलिस से बचने के लिए शराब की पेटियों के ऊपर लकड़ी के बुरादे से भरी बोरियां रखी गई थीं, ताकि बाहर से देखने पर ट्रक में सामान्य माल लदा हुआ लगे। पुलिस अब शराब की खेप भेजने वाले व्यक्ति, बिहार में इसे प्राप्त करने वालों और तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।